पटना ●सोमवार, 15 जुलाई 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः184 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

बॉर्डर न्यूज मिरर

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

"खबरों से समझौता नहीं"

पूर्वी चंपारण में शुरू होगी सोयबीन... 3 www. bordernewsmirror.com मृणाल ठाकुर और वरूण... 8

लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता होंगे गौरव गोगोई

● स्पीकर चुनाव लड़ने वाले के सुरेश को भी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के गौरव गोगोई लोकसभा में पार्टी के उप नेता होंगे और इस निर्णय के बारे में एक पत्र अध्यक्ष ओम बिरला को भेजा गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि कांग्रेस के संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष बिरला को पत्र लिखकर उन्हें संसद के निचले सदन में कांग्रेस के उप नेता, मुख्य सचेतक और दो सचेतक नियुक्त किये जाने के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया गोगोई लोकसभा में पार्टी के उप नेता होंगे, जबकि केरल से आठ बार के सांसद के. सुरेश पार्टी के मुख्य सचेतक होंगे। उन्होंने बताया कि विरुधुनगर के सांसद मणिकम टैगोर और किशनगंज के सांसद मोहम्मद जावेद लोकसभा में पार्टी के सचेतक होंगे।

मैं आरएसएस में था, यह कोई अछूत संगठन नहीं

● पूर्व जज ने राजनीति को लेकर कह दी बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। कलकत्ता और ओडिशा हाई कोर्ट में जज रह चुके रिटायर्ड जस्टिस चितरंजन दास ने एक इंटरव्यू में कहा कि किसी को अपनी राजनीतिक पहचान छिपाने की जरूरत नहीं है। वह खुलकर कहते हैं कि वह आरएसएस के सदस्य थे। उन्होंने कहा कि एक जज रहते हुए उन्होंने संविधान के मुताबिक काम किया और उनकी व्यक्तिगत विचारधारा कभी आड़े नहीं आई। जस्टिस दास ने यह भी कहा कि आरएसएस में हर विचारधारा के लोग रहते हैं और यह संगठन किसी को किसी विचारधारा के लिए बाध्य नहीं करता है। बता दें कि जस्टिस चितरंजन अपने फैसलों के लिए जाने जाते हैं।

टीम इंडिया ने 4-1 से जीती टी-20 सीरीज

आखिरी मैच में भी जिम्बाब्वे को 42 रन से हराया

हरारे (एजेंसी)। टीम इंडिया ने रविवार को हरारे के मैदान में खेले गए 5वें टी-20 में भी जिम्बाब्वे को 42 रन से हरा दिया। साथ ही 5 मैचों की टी-20 सीरीज को 4-1 से जीत लिया। 5वें टी-20 में जिम्बाब्वे ने टॉस जीता और भारत को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। कप्तान सिकंदर रजा का फैसला पावरप्ले तक सही साबित हुआ। पावरप्ले में इंडिया ने कप्तान शुभमन, ओपनर यशस्वी और अभिषेक शर्मा के विकेट खो दिए थे। स्कोर था सिर्फ 46 रन। इसके बाद संजू सैमसन ने फिफ्टी लगाई और रियान पराग के साथ 65 रन की साझेदारी की। शिवम दुबे ने डेथ ओवर्स में चौके-छक्के लगाकर टीम का स्कोर 167 रन तक पहुंचाया। 168 रन चेज कर रही जिम्बाब्वे को मुकेश कुमार और शिवम दुबे ने परेशानी में डाला। मुकेश ने पावरप्ले में 2 और 19वें ओवर में 2 विकेट लिया।

खुल गया जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार

पुरी (एजेंसी)। आखिरकार इंतजार खत्म हो गया है। ओडिशा के पुरी में मौजूद जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार रविवार दोपहर 1.28 बजे खोल दिया गया है। इस दौरान भंडार गृह में सरकार के प्रतिनिधि,एएसआई के अधिकारी, गजपति महाराज के प्रतिनिधि समेत 11 लोग मौजूद हैं। मंदिर का खजाना आखिरी बार 46 साल पहले 1978 में खोला गया था। ओडिशा सरकार ने भंडार खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। जगन्नाथ मंदिर रत्न भंडार को फिर से खोलने के लिए गठित पैनल के अध्यक्ष और ओडिशा हाईकोर्ट के जस्टिस विश्वनाथ रथ ने कहा कि जैसा कि तय किया गया था और जैसा कि सभी जानते हैं, सरकार ने तीन हिस्सों के लिए जरूरी एसओपी जारी कर दी है। इसमें एक रत्न भंडार को खोलने के लिए है और फिर दोनों भंडारों में रखे हुए गहनों और कीमती सामानों को गर्भगृह के अंदर पहले से तय किए गए कमरे में ले जाना है। उन्होंने कहा कि आज हमने एक बैठक बुलाई जिसमें हमने रत्न भंडार खोलने और गहनों की देखभाल करने का फैसला किया। उन्होंने यह भी कहा कि इस पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी। जगन्नाथ मंदिर रत्न भंडार के अंदर जो लोग गए हैं उनमें मंदिर के चीफ एडमिनिस्ट्रेटर,पुरी के कलेक्टर, पुलिस सुपरिटेंडेंट, रत्न भंडार सब कमेटी के लोग, सुपरवाइजरी पैनल से दो सदस्य गए हैं। साथ ही, गजपति महाराज के प्रतिनिधि और सेवक समुदाय से चार शामिल हैं। ओडिशा की डिप्टी सीएम प्रवती परिदा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि हमें वहां मौजूद रहना है। हम आज से वहीं पर रुकेंगे और देखेंगे कि गिनती आराम से हो। हमें विश्वास है कि प्रभु की कृपा से सब कुछ आसान होगा। पिछली सरकार ने रत्न भंडार को रहस्य बनाकर रखा था। रत्न भंडार की बार-बार गिनती होनी चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पिछली शताब्दी में जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार खोला गया था। इसमें 1905, 1926 और 1978 शामिल है। वहां पर मौजूद महंगी चीजों की लिस्ट बनाई गई। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि 1985 में रत्न भंडार का भीतरी हिस्सा खुला लेकिन लिस्ट अपडेट नहीं हो पाई। हालांकि, 1978 में जो लिस्ट बनी थी।

● 46 साल बाद खोला गया खजाना,भंडार गृह में लकड़ी के 6 संदूक भेजे गए

मणिपुर में फिर हमला, एक जवान शहीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में हिंसा की आग थमने का नहीं ले रही है। राज्य के जिरीबाम में बदमाशों ने सीआरपीएफ और राज्य पुलिस की टीम पर हमला किया। घात लगाकर किए गए हमले में एक सीआरपीएफ का जवान शहीद हो गया है और करीब तीन जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि अज्ञात हथियारबंद बदमाशों ने सुबह करीब 9.40 बजे 20वीं बटालियन सीआरपीएफ और मणिपुर पुलिस की एक टीम को निशाना बनाया। यह घात लगाकर किया गया हमला था। यह घटना उस समय हुई जब टीम शनिवार को हुई गोलीबारी की घटना से संबंधित सर्च ऑपरेशन के लिए मोनबुंग गांव की तरफ जा रही थी। शहीद हुए सीआरपीएफ जवान की पहचान बिहार के रहने वाले अजय कुमार झा के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि घायल हुए तीन जवानों में जिरीबाम पुलिस स्टेशन का एक सब-इंस्पेक्टर भी शामिल है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'मैं आज जिरीबाम जिले में कुकी उग्रवादियों के संदिग्ध एक सशस्त्र समूह द्वारा किए गए हमले में सीआरपीएफ के एक जवान की हत्या की कड़ी निंदा करता हूं। कर्तव्य की राह पर उनका सर्वोच्च बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। मैं मृतक जवान के शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं, साथ ही हमले के दौरान घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।' पिछले साल 3 मई को भड़की हिंसा की आग शांत होने का नाम नहीं ले रही है। कुकी और मैतई समुदाय के बीच में हिंसा की आग भड़की हुई है। एक-साल से रह-रहकर हमला हो रहा है।

अब तक दोनों तरफ से मारे एक हजार से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। कुछ लोग पड़ोसी राज्य असम में भी छिपे हुए हैं। इंफाल को कछार से जोड़ने वाले जिरिबाम में स्थिति सामान्य नहीं है। नेशनल हाईवे को कुकी समुदाय के लोगों ने रोक दिया है। कुकी जनजातियां यह भी आरोप लगाती हैं कि मैतेई समुदाय ने सभी जरूरी चीजों और मालवाहक ट्रकों को पहाड़ी इलाकों में घुसने नहीं देते हैं।

● कुकी उग्रवादियों ने सीआरपीएफ काफिले पर किया हमला, तीन घायल

ट्रेनी आईएएस अफसर पूजा खेडकर पर कसा शिकंजा

पुलिस ने की ऑडी जब्त,लाल-नीली बत्ती लगाकर घूमती थीं

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र की पुणे पुलिस ने रविवार को ट्रेनी आईएएस अफसर पूजा खेडकर की ऑडी कार जब्त कर ली है। पूजा पुणे में असिस्टेंट कलेक्टर के तौर पर पोस्टिंग के दौरान लग्जरी कार पर अवैध तरीके से लाल-नीली बत्ती लगाकर घूमने के बाद विवादों में आई थीं। उनके दबंग रवैये और मनमानी की भी काफी चर्चा है। ऑडी कार एक प्राइवेट इंजीनियरिंग कंपनी के नाम पर रजिस्टर्ड है।

पुणे आरटीओ ने गुरुवार को इस ऑडी के मालिक, इंजीनियरिंग कंपनी को नोटिस जारी किया था। नोटिस में कंपनी को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए गाड़ी पेश करने के लिए कहा गया था। पुणे पुलिस ने बताया कि खेडकर परिवार के ड्राइवर ने पुणे के चतुरश्रंगी पुलिस स्टेशन के ट्रैफिक डिवीजन में कार जमा करवाई है। कार पर लगी लाल-नीली बत्ती और महाराष्ट्र प्रशासन का स्टिकर हटा दिया गया है। पुलिस कार के डॉक्यूमेंट्स की जांच कर रही है।

● मां को नोटिस, लाइसेंसी पिस्टल से किसानों को धमकाया था

कांग्रेस के भाई-बहन पढ़े-लिखे अनपढ़: नड्डा

लखन0ऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के बाद लखनऊ में रविवार को भाजपा की सबसे बड़ी बैठक हुई। जिसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी समेत यूपी के 3000 नेता शामिल हुए। उत्तर प्रदेश कार्य समिति की बैठक में चुनावी नतीजों पर चर्चा हुई। आगे की रणनीति भी तय की गई। जेपी नड्डा ने कहा- 90 बार कांग्रेस ने चुनी हुई सरकारों को गिराया है। ये आज प्रजातंत्र की दुहाई देने लगे हैं और संविधान के रक्षक बन गए हैं। उन्होंने राहुल-प्रियंका का नाम लिए बगैर उन्हें पढ़ा-लिखा अनपढ़ बताया। सीएम योगी ने कहा- 2027 में भी भाजपा सरकार बनेगी। जो लोग उछल कूद करने का प्रयास कर रहे हैं और मुझे लगता है कि दोबारा इनको उछल कूद करने का मौका नहीं मिल पाएगा। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा- अखिलेश यादव आपको सावधान कर रहा हूं, यह कांग्रेस भस्मासुर है और बहुत जल्दी आपको ठिकाने लगा देगी। कांग्रेस की नजर आपके मुस्लिम वोट पर पड़ गई है। योगी सरकार में मंत्री अनिल राजभर ने बगावती बयानबाजी पर विधायकों को नसीहत दी। कहा- यह अनुशासनहीनता है। पार्टी ने सभी को मंच दिया।

● सीएम योगी बोले-विपक्ष को दोबारा उछलकूद का मौका नहीं मिलेगा, लखनऊ में भाजपा की बड़ी बैठक

संविधान की दुहाई देने वालों ने सबसे ज्यादा गला घोंटा

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- लोगों ने भ्रम फैलाने की कोशिश की कि संविधान खत्म हो जाएगा। लेकिन संविधान के साथ छेड़छाड़ करने का काम किसका है। कौन सी पार्टी है, जिसे इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कह दिया था कि प्रधानमंत्री का चुनाव गलत है। यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के पद पर रहना नहीं चाहिए तो वे संविधान बदल देते हैं और इमरजेंसी लगा देते हैं। संविधान के साथ प्रजातंत्र की भी हत्या करते हैं। 90 बार कांग्रेस ने चुनी हुई सरकारों को गिराया है। भाजपा ने 10 साल सिर्फ जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन लगाया, वह भी सदन में बोल कर लगाया कि यह अस्थायी है, इसको हटा दिया जाएगा। ये (विपक्ष) आज प्रजातंत्र की दुहाई देने लगे हैं और संविधान के रक्षक बन गए हैं।

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने किए विंध्यवासिनी के दर्शन

फिर पहुंचे बाबा विश्वनाथ के दरबार,पत्नी कल्पना सोरेन भी थीं साथ

मिर्जापुर (एजेंसी)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मिर्जापुर स्थित विंध्याचल धाम पहुंचे। साथ में विधायक पत्नी कल्पना सोरेन भी थीं। पत्नी संग माता विंध्यवासिनी की विधिवत पूजा-अर्चना की और फिर वाराणसी रवाना हो गए। वाराणसी में बाबा विश्वनाथ और काल भैरव के दर्शन किए। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सोरेन सड़क मार्ग से मिर्जापुर पहुंचे थे। मीडिया से बातचीत में सोरेन ने कहा कि यहां वो मां का आशीष लेने आए थे। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ आगे बढ़ने के लिए मां से आशीर्वाद मांगने आया हूं। 6 महीने जेल में रहा। न्याय प्रक्रिया के तहत बाहर आया। मां के आशीर्वाद से ही बल मिलता है। जो हमारा संकल्प है, उसे जारी रखेंगे। देश की जनता का निर्णय है। हम लोग देश के जरूरतमंद लोगों के लिए समर्पित रहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें विश्वास है कि जनता उनके साथ है। बोले, लोग अपनी-अपनी बातें रखते हैं। देश की जनता को जो समझ आता है, उसके अनुरूप हमें परिणाम भी मिलते हैं। हमें लगता है कि जनता का आशीर्वाद हमारी बड़ी ताकत है। बता दें कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष हेमंत सोरेन जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 28 जून को जेल से जमानत पर रिहा हुए। इसके बाद उन्होंने 4 जुलाई को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनसे पहले चंपई सोरेन सीएम पद संभाल रहे थे। चंपई हेमंत सोरेन के करीबी लोगों में से एक माने जाते हैं। फिलहाल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

पुलिस एनकाउंटर में मारा गया आर्मस्ट्रांग की हत्या का आरोपी

● टीम पर हमला कर भागने की कर रहा था कोशिश,हो गया शिकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु बहुजन समाज पार्टी के प्रमुख के आर्मस्ट्रांग की हत्या के एक आरोपी को रविवार सुबह चेन्नई में पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया। पुलिस ने कहा कि आरोपी ने एक अधिकारी पर हमला करने के बाद भागने की कोशिश की तो उन्होंने गोलियां चला दीं। यह घटना चेन्नई के माधवरम में एक झील के पास हुई है। 33 वर्षीय के थिरुवेंगडम एक हिस्ट्रीशीटर था और कथित तौर पर आर्मस्ट्रांग की हत्या में एक प्रमुख व्यक्ति था।

अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प पर जानलेवा हमला

एफबीआई बोली-मारने की साजिश,कान पर गोली लगी,खतरे से बाहर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर फायरिंग हुई है। उनके दाएं कान पर गोली लगी है, लेकिन वो सुरक्षित हैं। बताया जा रहा है कि उन्हें अस्पताल से छुट्टी भी दी जा चुकी है। घटना भारतीय समय के मुताबिक रविवार सुबह 4 बजे की है। तब अमेरिका में शनिवार के शाम करीब 6.30 बज रहे थे। ट्रम्प अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य के बटलर शहर में चुनावी रैली कर रहे थे। ट्रम्प मंच पर आए उन्होंने बोलना शुरू किया- 'टेक अ लुक एट वॉट हैपंड'और फायरिंग की आवाज आनी शुरू हुई। चीख-पुकार मचती है, ट्रम्प चौंकते हुए दायां हाथ कान पर रखते हैं और झुक जाते हैं। इस बीच सुरक्षा गार्ड घेरा बना लेते हैं। ट्रम्प खड़े होते हैं, कान और खून से सने चेहरे के साथ दाईं मुट्ठी भींचते हुए कुछ कहने की कोशिश करते हैं। फिर गार्ड उन्हें घेरे में लेते हुए कार में लेकर निकल जाते हैं। गोलीबारी में रैली में मौजूद एक व्यक्ति की मौत हुई है। 2 गंभीर रूप से घायल हुए। पेंसिल्वेनिया पुलिस ने बताया कि ट्रम्प पर करीब 400 फीट दूर मौजूद इमारत की छत से फायरिंग की गई।

● बाल-बाल बचे पूर्व राष्ट्रपति, जवाबी कार्रवाई में मारा गया हमलावर

'दोस्त' ट्रंप पर हमले के बाद पीएम मोदी ने जताई चिंता

● बोले-लोकतंत्र में इसकी कोई जगह नहीं, जल्द ठीक होने की कामना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के ऊपर जानलेवा हमला हुआ है। पीएम मोदी ने ट्रंप पर हुए इस हमले को लेकर चिंता जताई है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पीएम मोदी ने लिखा कि अपने दोस्त पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर हुए हमले को लेकर चिंता में हूं। इस हमले की निंदा करता हूं। राजनीति और लोकतंत्र में इस तरह की हिंसा की कोई जगह नहीं है।

भारी जालसाजी हुई, चुनाव आयोग ने भी कुछ नहीं किया

● पश्चिम बंगाल उपचुनाव के नतीजों के बाद बरसी बीजेपी

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस ने शनिवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा उपचुनाव में जबरदस्त जीत हासिल की, जिसमें उसने भाजपा से रायगंज, बागदा और राणाघाट दक्षिण सीट छीन लीं तथा मानिकतला में रिकॉर्ड अंतर से जीत हासिल की। इस तरह तृणमूल कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में मिली जीत का सिलसिला जारी रखा। इस जीत के बाद बीजेपी ने आरोप लगाया है कि चुनाव में जालसाजी हुई और चुनाव आयोग ने भी शिकायत पर कुछ नहीं किया। पश्चिम बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा है कि उपचुनाव में जो सत्ताधारी पार्टी होती है, उसे एडवांटेज मिलता है। किसी बूथ पर बीजेपी को तीन तो किसी पर चार या पांच मिला है। यह लोकतंत्र में संभव नहीं है। वोट के नाम पर जालसाजी हुई है। पश्चिम बंगाल में ऐसा होता रहा है।

बिना पहचान-पत्र नहीं मिलेगी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एंट्री

कर्मचारी-अधिकारी के लिए भी जारी होंगे आईडी कार्ड, आम लोगों को अपनी वाहन की खुद करनी होगी सुरक्षा

पटना, एजेंसी। पटना के कंकड़बाग स्थित पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अब आम लोगों को अपनी वाहन की रक्षा खुद करनी होगी, क्योंकि बिना आईडी कार्ड एंट्री नहीं दी जाएगी। चोरी की घटनाओं और बाहरी लोग के प्रवेश पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से बिहार राज्य खेल प्राधिकरण ने बिना पहचान पत्र प्रवेश पर रोक लगा दी है। आज खिलाड़ियों, कोच, खेल संघों के कर्मचारियों और संबंधित लोगों का पहचान पत्र जारी कर दिया जाएगा। वहीं, कल से यह प्रभावी होगा।

सुरक्षा के मद्देनजर बनाए गए यह नियम

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रविंद्रन शंकरण ने कहा कि बीते दिनों परिसर कई घटनाएं हुई है। मारपीट, छोटी-मोटी चोरी, कोच, एथलीट और एसोसिएशन के सदस्यों के भेष में अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश की घटनाओं के बारे में रिपोर्ट के आधार पर ये कदम उठाए गए हैं।

आईडी कार्ड महानिदेशक और निदेशक के लिए भी होगा

उन्होंने आगे कहा कि अनुशासन बनाए रखने और अवांछित लोगों के प्रवेश पर रोक लगाने के लिए खिलाड़ियों, कोच और खेल संघों के कर्मचारियों को पहचान पत्र दिया जाएगा। जब भी कोई खेल परिसर में आएगा तो उसे आईडी कार्ड लाना होगा। जिनके पास आईडी कार्ड होगा, उन्हें ही अंदर जाने दिया जाएगा। यह आईडी कार्ड महानिदेशक और निदेशक के लिए भी होगा।

मीडिया, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के कर्मचारियों, प्राधिकरण से संबद्ध एजेंसियों को इससे छूट रहेगी। वहीं, बाहर से आने वाले अतिथियों को विजिटर्स पास पर प्रवेश दिया जाएगा। यहां बाहरी लोगों की गाड़ियों के प्रवेश पर रोक रहेगी। उन्हें अपनी गाड़ी को स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स परिसर से बाहर लगानी होगी। यह नियम 15 जुलाई से प्रभावी होगा।

8 कैटेगरी में बनेगा पहचान पत्र

यह आईडी कार्ड 8 कैटेगरी में बनेगी। सभी खेल संघों के पदाधिकारी, खिलाड़ियों और कोच, खेलो इंडिया के खिलाड़ी और प्रशिक्षक, स्टेट सेंटर फॉर एक्सीलेंस के एथलीट, कोच और कर्मचारी, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के अधिकारी और कर्मचारी, खेल संघों के कर्मचारी, सूचीबद्ध एजेंसियों के सदस्य और सभी रखरखाव कर्मचारी के लिए पहचान पत्र जारी किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

ड्रोन से होगी अखाड़ों की निगरानी, डीजे बजाने पर होगी कार्रवाई

पटना, एजेंसी। मुहर्रम में विधि व्यवस्था और शांति बनाए रखने को लेकर गुलजारबाग स्टेडियम के सभागार में बैठक हुई। अध्यक्षता एसडीओ गुंजन सिंह व एएसपी शरथ आरएस ने की। जबकि संचालन डीएसपी डॉ गौरव कुमार ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए एसडीओ ने सभी लाइसेंसी अखाड़ा के खलीफा को लाइसेंस में दिये गए रूट और समय का अनुपालन करने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि सभी अखाड़ों की विडियोग्राफी करायी जाएगी। साथ में ड्रोन द्वारा निगरानी भी की जाएगी। अखाड़ा में अस्त्र-शस्त्र के प्रदर्शन एवं साथ में रखने पर पाबंदी रहेगी। डीजे बजानेवालों पर कानूनी कारवाई की जाएगी। बैठक में बांकीपुर अंचल के कार्यपालक पदाधिकारी ने आश्वासन दिया की पत्थर के मस्जिद से लेकर दरगाह करबला तक टूटे-फूटे सड़क को अस्थायी तौर पर मरम्मत करा दिया जाएगा। एएसपी ने कहा कि पहलाम होने वाले रूट में भीड़-भाड़ को देखते हुए 17 एवं 18 जूलाई को छोटे एवं बड़े वाहनों का परिचालन बंद रहेगा। दरगाह शाह आरंजा के मैदान में लगने वाले मेले में महिला एवं पुलिस बल की चौकसी रहेगी। अखाड़ा में अश्लील गाना बजाने एवं भड़काऊ नारा लगाने पर रोक रहेगी। बैठक में पार्षद बैजू लाल दास, गणेश कुमार, वशी अख्तर, मो जावेद, हिदायत अहमद, संजय अलबेला, अंजुम आलम, कलीम इमाम, शाहीद अंसारी, बाबू भाई, अली ईमाम, मिथलेश शर्मा शामिल थे।

पंचायतों की आम जमीन पर लगाए जाएंगे 5.50 लाख पौधे

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। वन महोत्सव 2024 के तहत पंचायतीराज विभाग ने पंचायत की आम जमीन पर 5.50 लाख पौधा लगाने का निर्णय लिया है। इसकी शुरुआत जुलाई के तीसरे सप्ताह से जिलों के प्रभारी मंत्री करेंगे। अभियान के तहत प्रत्येक वार्ड में एक पीपल, एक बरगद समेत कम से कम पांच पौधे लगाए जाएंगे। विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह के अनुसार, इसकी विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। जुलाई के तीसरे सप्ताह में प्रत्येक जिले में जिला कार्यक्रम क्रियान्वयन सामिति की बैठक प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में होगी। इस दौरान प्रभारी मंत्री कॉलेक्ट्रेट परिसर या उसके आसपास पीपल का पौधा लगाएंगे। वहीं, एक पीपल या बरगद का पौधा लगाने की जिम्मेदारी डीएम को भी दी गई है। इसके अलावा जिला परिषद की जमीन पर पौधा लगाने की जवाबदेही संबंधित डीडीसी की होगी। इसके अलावा अनुमंडल पदाधिकारी, जिला परिषद अध्यक्ष, मुखिया व वार्ड सदस्यों को भी अपने-अपने वार्ड की आम जमीन पर पीपल, बरगद, जामुन, महुआ व नीम के पौधे लगाने होंगे। अभियान का उद्देश्य पर्यावरण की रक्षा के लिए हरित क्षेत्र को बढ़ाना है। इस तरह जिला कार्यक्रम क्रियान्वयन सामिति की बैठक से शुरू होने वाले इस अभियान को वार्ड स्तर तक ले जाया जाएगा। पंचायतों में लगाए गए पौधों की सुरक्षा व देखभाल की जिम्मेदारी वार्ड सदस्य व मुखिया की होगी।

अरसे बाद नगर में मच्छरों से निजात को चला फॉगिंग मशीन

मोतिहारी/सुगौली, एजेंसी। बीते एक पखवाड़े में करीब दस दिन से अधिक सफाईकर्मियों के हड़ताल से बनी नारकीय स्थिति से अब निजात मिलता दिख रहा है। गुरुवार को मुख्य पार्षद नसरीन अली, उप मुख्य पार्षद पति सह भाजपा नेता विकास शर्मा व ईओ धर्मेंद्र कुमार तथा सफाई अधिकारी मोइन अंसारी के अथक प्रयास के बाद हड़ताल समाप्त होने पर जोर शोर से सफाई कार्य जारी है। इस बीच नगर में बनी नारकीय स्थिति से निजात दिलाने के लिए अरसे बाद फॉगिंग मशीन का भी उपयोग किया जा रहा है। इसके लिए नगर कार्यालय द्वारा रोटेशन जारी किया गया है। बारिश के बीच हुए हड़ताल से जहां कचरे का अंबार लगा था। वहीं जलजमाव होने से कई संक्रमित बीमारियों का खतरा भी बढ़ा था। मुख्य बाजार पथ में ही पसरी गन्दगी का आलम यह कि सुअरों का भोजन सड़कों पर ही मिल रहा था। इस बीच मुख्य बाजारों में लोग खरीददारी करने से भी परहेज करने लगे थे। शनिवार को विभिन्न वार्डों में हुए जलजमाव से निजात के लिए नगर पंचायत द्वारा सेक्शन मशीन लगाकर जल निकासी कार्य किया गया। जिसको लेकर जहां स्थानीय व्यवसायियों सहित अन्य लोगों ने राहत की सांस ली है।

बेतिया में अचानक दुकान में लगी आग, 10 लाख का हुआ नुकसान

कड़ी मशक्कत के बाद पाया गया काबू

बेतिया, एजेंसी। बेतिया में शनिवार की रात अचानक आग लगने से 2 दुकान जलकर राख हो गई। घटना जिले के मानपुर थाना क्षेत्र के मानपुर पुरैनिया चौक की है। हालांकि, सूचना पर दमकल की 2 गाड़ियों के साथ पहुंचे फायर ब्रिगेड के कर्मियों ने स्थानीय लोगों के सहयोग से करीब 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब तक सब कुछ जलकर राख हो चुका था। वहीं, अगलगी का कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि शनिवार रात करीब 11 बजे कमलेश चौरसिया और संदीप चौरसिया दोनों ने अपना-अपना दुकान बंद करके घर चले गए थे। इसके कुछ देर बाद करीबन 11:30 बजे कमलेश चौरसिया के दुकान से आग की लपटें निकलने लगी। धीरे-धीरे आग ने अगल-बगल की दुकान को भी अपनी चपेट में ले लिया। हालांकि, सूचना मिलते ही मौके पर भारी संख्या में लोगों की हुजूम जुट गई। लोगों ने इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। इसके बाद मौके पर दमकल की 2 गाड़ियों के साथ पहुंचे फायर ब्रिगेड के कर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। तब तक कमलेश चौरसिया के किराना दुकान और संदीप चौरसिया के दवा का दुकान जलकर राख हो चुका था। पंडित दुकानदारों ने बताया कि अगलगी की घटना में 10 लाख से अधिक का नुकसान हुआ है। वहीं, मानपुर थाना अध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी अंचल अधिकारी को दी गई है। पीड़ित दुकानदारों से आवेदन लेकर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

बिहार की चार और विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तैयारी, बीजेपी दो, जेडीयू और हम एक-एक लड़ेगी

पटना, एजेंसी। रुपौली विधानसभा उपचुनाव का रिजल्ट आने के बाद बिहार में पार्टियां चार और सीटों पर होने वाले उपचुनाव की तैयारियों में जुट गई हैं। ये सीटें चार विधायकों के लोकसभा चुनाव जीतने से खाली हुई थीं, जिनमें तरारी, रामगढ़, जहानाबाद और इमामगंज विधानसभा शामिल है। इन पर उपचुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि बीजेपी इनमें से दो सीटों, रामगढ़ और तरारी पर चुनाव लड़ेगी। वहीं, जहानाबाद में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जेडीयू और इमामगंज में केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी की हम अपने-अपने प्रत्याशी उतारेगी। इन चारों सीटों पर एनडीए का सीधा मुकाबला महागठबंधन से होने के आसार हैं। इसे अगले साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल भी माना जा रहा है। पटना स्थित बीजेपी प्रदेश कार्यालय में शनिवार को आगामी विधानसभा उपचुनाव को लेकर बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने की। बैठक में पार्टी नेताओं ने शाहाबाद क्षेत्र की दो सीटों रामगढ़ और तरारी विधानसभा पर विचार-विमर्श किया। 2020 के विधानसभा चुनाव में इन दोनों सीट पर भाजपा चुनाव लड़ी थी लेकिन पार्टी प्रत्याशियों की हार हुई थी। मिली जानकारी के मुताबिक एनडीए में विधानसभा उपचुनाव के लिए जिताऊ प्रत्याशी की तलाश तेज हो गई है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने इसके लिए पार्टी के दो-दो मंत्रियों के साथ ही प्रदेश संगठन के दो -दो महामंत्रियों को दायित्व दिया है। 18 जुलाई को विधानसभा उपचुनाव को लेकर अहम बैठक होने वाली है। इसमें पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आने का कार्यक्रम था, मगर स्वास्थ्य कारणों से उनका दौरा स्थगित हो गया है। अब केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान या सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी में से किसी एक के पटना आने की संभावना है।

विधायकों के इस्तीफे से खाली हुई चार सीटें

हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान बिहार विधानसभा के चार विधायक जीतकर संसद पहुंचे। तरारी से विधायक रहे सीपीआई माले के सुदामा प्रसाद आरा लोकसभा सीट से जीते, तो रामगढ़ से विधायक रहे आरजेडी के सुधाकर सिंह बक्सर लोकसभा जीते। इसी तरह जहानाबाद से आरजेडी के विधायक यहीं से लोकसभा चुनाव जीतकर संसद पहुंच गए। इमामगंज से विधायक रहे हिन्दुस्तान आवाम मोर्चा के सुप्रीमो जीतनराम मांझी भी गया से लोकसभा चुनाव जीते थे। इन चारों ने सांसद बनने के बाद विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया था। अब इन सीटों पर जल्द ही उपचुनाव की घोषणा होगी।

फल कारोबारी को ट्रक ने रौंदा, मौत, आरोपी चालक को लोगों ने घेर कर पकड़ा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में शानिवार देर रात एक अनियंत्रित ट्रक ने फल कारोबारी को रौंद दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक चालाक को स्थानीय लोगों ने मौके पर ही पकड़ लिया।घटना की सूचना के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ह्यद्मद्बष्द्ध भेज दिया है। दुर्घटना गरहां थाना क्षेत्र के गरहां चौक का है। जहां गजाधर महतो (40) अपनी फल की दुकान बंद कर घर लौट रहा था। इस दौरान ट्रक ने रौंद दिया।

ट्रक चालक को थाने ले गई पुलिस

घटना को देखकर आसपास के लोगों ने भाग रहे ट्रक को घेर कर पकड़ लिया। जिसके बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची। घटना की जांच के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं, चालक को हिरासत में लेकर थाने ले गई पुलिस। गरहां थाना के दारोगा ने बताया कि थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना हुई है। एक व्यक्ति की मौत की सूचना प्राप्त हुई थी। जिसके पुलिस मौके पर पहुंची। मृत व्यक्ति के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।ट्रक चालक को हिरासत में लिया। आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जमुई में वज्रपात से झुलसी महिला की मौत पटना में इलाज के दौरान गई जान

जमुई, एजेंसी। जमुई के सोनो थाना क्षेत्र के भेलवा मोहनपुर गांव में वज्रपात की चपेट में आने से झुलसी महिला की इलाज के दौरान रविवार की सुबह पटना में मौत हो गई। इसके शव को पुलिस अभिरक्षा में पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल लाया गया है।

मृतक महिला की पहचान सोनो प्रखंड क्षेत्र के भेलवा मोहनपुर गांव निवासी मोहन यादव की पत्नी ललिता देवी(48) के रूप में की गई है। परिजनों ने बताया कि 11 जुलाई को सोनो प्रखंड क्षेत्र के अगहरा चपरी के बहियार से जब महिला अपने घर आ रही थी। तभी तेज बारिश के साथ अचानक वज्रपात हो गई थी। इसकी चपेट में आने से महिला बुरी तरह से झुलस गई थी। जबकि इस घटना में एक मवेशी की मौत हो गई थी। घटना के बाद घायल महिला को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया था। जहां उसकी हालत गंभीर होता देख इलाज कर रहे चिकित्सक ने प्रारंभिक इलाज के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, घटना को लेकर जब सोनो

थानाध्यक्ष दीनानाथ सिंह से बात की तो उन्होंने बताया कि 11 जुलाई को वज्रपात की चपेट में आने से एक महिला झुलस गई थी। जिसे परिजनों द्वारा सदर अस्पताल से रेफर करने पर उसे बेहतर इलाज के लिए पटना ले जाया गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत होने की जानकारी मिली है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज आगे की प्रक्रिया की जा रही है। मृतक के परिजन विनोद यादव ने बताया कि जब घायल को इलाज के लिए पटना ले जाया गया था। पीएमसीएच में वैंटिलेटर खाली नहीं रहने के कारण उसकी और हालत गंभीर होने लगी थी। जिसके बाद उसे निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया।

छात्र का सिर फोड़ने वाला टीचर सस्पेंड:स्कूल की दीवार से टकरा दिया था सिर

गया, एजेंसी। गया में बीते दिनों जिले के फतेहपुर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय तारो में कक्षा 3 में पढ़ने वाले छात्र का सिर फोड़ने वाले शिक्षक को जिला शिक्षा अधिकारी ने सस्पेंड कर दिया है। साथ ही उनके खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी है। जांच अधिकारियों से 60 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। सस्पेंशन के दौरान निलंबित शिक्षक कौशल कुमार सिंह को इमामगंज प्रखण्ड शिक्षा कार्यालय में तत्काल प्रभाव से ज्वाइन करने की हिदायत दी है। सस्पेंशन के दौरान शिक्षक की उपस्थिति के आधार पर गुजारा भत्ता दिया जाएगा।

बीपीएससी के तहत बीते वर्ष हुई थी नियुक्ति : मामला प्रकाश में आने के बाद जिला शिक्षा विभाग ने कार्रवाई की है। निलंबित होने वाले शिक्षक की नियुक्ति

बीपीएससी के तहत बीते वर्ष हुई थी। जिला शिक्षा अधिकारी ओम प्रकाश ने बताया कि आरोपी शिक्षक के विरुद्ध स्कूल में हंगामा से संबंधित प्राप्त वीडियो के आधार पर प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने और स्पष्टीकरण का जवाब नहीं दिए जाने के आधार पर स्थापना शाखा की ओर से निलंबन की कार्रवाई की गई है।

आठ जुलाई का है मामला

दरअसल 8 जुलाई को टीचर कौशल कुमार सिंह ने तीसरी कक्षा में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स से पूछा था कि तुमने किस कंपनी की कोल्ड्रिंक पी है। इस पर स्टूडेंट टीचर को सही सही जवाब नहीं दिया। इस बात से गुस्साए टीचर ने स्टूडेंट का सिर पकड़ कर दीवार में टकरा दिया था। जिसके बाद वो जख्मी हो गया। इस बात की भनक तारो के ग्रामीणों को लगी तो वे बड़ी संख्या में स्कूल परिसर में जमा हो गए थे। हंगामा करने लगे थे। ग्रामीणों का गुस्सा देख टीचर कौशल कुमार ने स्कूल के एक कमरे में खुद को बन्द कर लिया था। स्कूल में हंगामा की खबर पर गुरपा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची थी और आरोपी शिक्षक को हिरासत में ले लिया था।

रेलवे लाइन किनारे बने गड्ढे में डूबने से दो मौत, मोतिहारी में नहाने गए थे तीन बच्चे

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी में नव निर्मित रेलवे लाइन के किनारे पानी भरे गड्ढे में डूबने से दो बच्चे की मौत हो गई। जबकि एक को ग्रामीणों ने बचा लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम में भेज दिया है। घटना भोपतपुर थाना के वार्ड नंबर 8 तिजोरारागढ़ की है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है की तिजोरारागढ़ गांव से हो कर रेलवे लाइन निकाली जा रही है। उसी निर्माणाधीन रेलवे लाइन के गड्ढे में बारिश का पानी भरा था। इसमें सभी बच्चे नहाने लगे, इस दौरान तीन बच्चे डूब गए। जब अन्य बच्चों ने शोर मचाया तो स्थानीय गोताखोर बचाने के लिए कूदे। एक की जान तो बच गई लेकिन दो की जान चली गई। मृतक की पहचान दिवाकर राम का 14 साल का बेटा राहुल कुमार और दिनेश राम का 7 वर्षीय बेटी गुड्डी कुमारी के रूप में हुई है। वहीं दिवाकर राम की 10 वर्षीय बेटी रूपा कुमारी को बचा लिया गया। जिसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। सूचना पर पहुंची कोटवा सीओ मोनिका आनंद और भोपतपुर के एसआई रामेश्वर भंडारी ने मामले की जांच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा दिया।

पटना के अपार्टमेंट में भीषण आग के बाद बिल्डर की हार्ट अटैक से मौत, फ्लैट में फंस गया था परिवार

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में पश्चिमी आनंदपुरी की गली संख्या 12-डी स्थित सुपर सिटी एन्क्लेव अपार्टमेंट में शनिवार दोपहर एसी में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। इस दौरान बिल्डर अनिल कुमार का परिवार फंस गया। धुएं के गुबार के बीच दमकल कर्मी, पुलिस और डायल 112 की टीम ने बिल्डर सहित चार लोगों को निकला। लेकिन, हार्ट अटैक से बिल्डर की मौत हो गई। 25 गाड़ियों की मदद से तीन घंटे में आग पर काबू पाया जा सका।

अपार्टमेंट की चौथी मंजिल पर बिल्डर के फ्लैट में आग लगी थी। तीन धमाकों के बाद आग तेजी से फैली। वहीं, धुएं का गुबार फैलने से वहां हड़कंप मच गया। अपार्टमेंट में मौजूद लोग सीढ़ी से नीचे की ओर भागे। वहीं, बिल्डर अनिल कुमार का परिवार आग में फंस गया। घटना की सूचना पर दमकल कर्मी, पुलिस और डायल 112 की टीम पहुंची। उन्होंने छत पर फंसे बिल्डर सहित चार लोगों को बाहर निकला। हार्ट अटैक आने से बिल्डर की तबीयत बिगड़ गई। पाटलिपुत्र थानेदार राज किशोर कुमार ने बताया कि अनिल कुमार को इलाज के लिए सहयोग अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दमकल की बड़ी गाड़ियां फंसीं

रास्ता संकरा होने के कारण दमकल की बड़ी गाड़ियां बीच में ही फंस गईं। इसके बाद छोटी गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। वहीं, करीब 400 मीटर की दूरी से पाइप के जरिए पानी ले जाकर दमकल कर्मियों ने बचाव कार्य शुरू किया। जिला अग्निशमन पदाधिकारी मनोज कुमार नट ने बताया कि आग लगने पर पानी के प्रयोग वाले पाइप तो अपार्टमेंट में लगे थे। लेकिन उसमें पानी नहीं आ रहा था। टंकी से पाइप का नॉब बंद था। इसके कारण दमकल कर्मियों को आसपास के घरों के छतों से पानी की बौछार कर बचाव कार्य करना पड़ा। अग्निशमन सेवा अधिनियम लागू होने से पूर्व उक्त अपार्टमेंट का निर्माण कराया गया था। उस वक्त फायर एनओसी की जरूरत नहीं होती थी। बावजूद इसके अपार्टमेंट वालों की भारी लापरवाही पाई गई। अग्निशमन विभाग इसकी जांच कर रहा है।

10 साल पहले बना है फ्लैट

लोदीपुर, कंकड़बाग, सचिवालय, पटना सिटी और फुलवारी शरीफ दमकल केंद्र से दमकल की गाड़ियां मौके पर भेजी गई। बचाव कार्य के दौरान धुएं की चपेट में आने से लोदीपुर के दमकल कर्मी अजय कुमार की तबीयत बिगड़ गई। निवासी विशाखा सिंह ने बताया कि करीब 10 वर्ष पहले अपार्टमेंट बना है। उसमें तीनों फ्लोर पर 12 फ्लैट और चौथे तल तीन फ्लैट हैं। ऊपर के तल पर बिल्डर अनिल कुमार पत्नी और दो बच्चों के साथ रहते थे।

अजगैवीनाथ मंदिर तीन ओर गंगा के पानी से घिर

भागलपुर/सुल्तानगंज, एजेंसी। सुल्तानगंज में गंगा के जलस्तर में तेजी से वृद्धि हो रही है। जिसके कारण सूखे में पड़ा अजगैवीनाथ मंदिर तीन ओर से पानी से घिरने लगा है। नई सिढ़ी घाट स्थित पक्की सिढ़ी पर गंगा ने दस्तक दे दी है। लोगों को गंगा के तेजी से बढ़ते देख ये उम्मीद लग रही है की अगर गंगा के बढ़ने का रफ्तार बरकरार रहा तो श्रावणी मेला में आने वाले कांवरिया को कच्ची सिढ़ी घाट पर स्नान करने में होने वाली परेशानी से मुक्ति मिल जाएगी। पक्की सीढ़ी पर स्नान करने की उन्हें सुविधा मिल जाएगी। बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल भागलपुर के जेई पितांबर चौधरी ने बताया कि गंगा का पानी तेजी से बढ़ रहा है और बढ़ने की संभावना है। बैरिकेडिंग को शिफ्ट कराया जा रहा है।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

पूर्वी चंपारण में शुरू होगी सोयबीन खेती,परसौनी केविके ने शुरू की कवायद

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, कर्नाटक राजस्थान, गुजरात एवं आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों की तर्ज पर बिहार में भी सोयाबीन की खेती को बढावा देने के लिए पूर्वी चंपारण जिले के परसौनी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र ने कवायद शुरू कर दी है। इसको लेकर केन्द्र समूह अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण के अंतर्गत लगभग 100 एकड़ क्षेत्रफल में सोयाबीन की खेती का प्रत्यक्षण किसानों के बीच कराने जा रहा है। इसकी जानकारी देते केविके परसौनी के विषय वस्तु विशेषज्ञ (कृषि अभियंत्रण) डॉ.अंशु गंगवार ने बताया कि सोयाबीन की बुआई का मौसम शुरू हो चुका है। जुलाई महीने के मध्य तक सोयाबीन की बुआई की जा सकती है। उन्होंने बताया कि सोयाबीन एक प्रमुख प्रोटीन स्रोत वाले उत्पाद के तौर पर जाना जाता है। सोयाबीन को स्वर्ण सेम के नाम से भी जानते हैं। सोयाबीन की उपयोग की बात करें तो इसे पनीर बनाने, सोया मिल्क बनाने, सोयाबड़ी बनाने, सोयाबीन तेल आदि कई खाद्य पदार्थ के रूप में किया जाता है। सोयाबीन में 36 से 42 प्रतिशत तक प्रोटीन और 15 से 25 प्रतिशत तक तेल की मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि सोयाबीन का उपयोग खाद्य तेल, प्रोटीन स्रोत और सब्जी, पनीर आदि के रूप में भी किया जाता है। इसलिए सोयाबीन की खेती करना किसानों के लिए मुनाफे का सौदा हो सकता है। मृदा विशेषज्ञ डॉ. आशीष राय ने बताया कि सोयाबीन को दलहन और तिलहन दोनों के रुप में उगाया जाता है। इस फसल को उगाने के लिए दोमट मिट्टी, बलुई दोमट मिट्टी बहुत उपयुक्त होती है। मिट्टी का पीएच स्तर आदर्श रूप से 6.5 से 7.5 के बीच होना चाहिए। उन्होंने किसानों को सलाह देते कहा कि इसके खेती के पूर्व मिट्टी की जांच जरूरी है।इसके अलावा इस फसल को उन खेतों में लगाना चाहिए जहां जल निकासी की व्यवस्था काफी बेहतर हो, क्योंकि पानी लगने से सोयाबीन की फसल खेतो में ही खड़े-खड़े खराब हो जाती है। चूंकि यह दलहन के भी गुण रखती है तो बुवाई से पूर्व बीज का उपचार अत्यंत आवश्यक है इसके लिए ट्राईकोडर्मा या राईजोबियम या पी.एस.बी.कल्चर 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के लिए उपयोग किया जाना चाहिए जिससे जड़ों में नोड्यूल बनते हैं और नाईट्रोजन का प्रयोग खेत में कम करना पड़ता है। डॉ राय ने बताया कि अच्छी उपज के लिए प्राप्त करने के लिए केंचुआ खाद 4-5 क्विंटल प्रति एकड़ एवं 8 कि.ग्रा. नत्रजन, 24-32 कि.ग्रा. फास्फोरस, 20 कि.ग्रा. पोटाश एवं 8 कि.ग्रा. सल्फर प्रति एकड़ की दर से बुवाई के समय उपयोग करना चाहिए। सिंगल सुपर फास्फेट और माईक्रोन्यट्रियंट का प्रयोग अच्छा पैदावार दे सकता है।डॉ. गंगवार ने बताया कि खेत में सोयाबीन की बुवाई करते समय कतार से कतार की दूरी 40-45 से.मी. होना चाहिए। पौधे से पौधे की दूरी 8-10 से. मी. रखना चाहिए। बुवाई का कार्य मेड़-नाली विधि से की जा सकती है इसके साथ ही सीड ड्रिल मशीन से भी कर सकते हैं। बुवाई के समय जमीन में उचित नमी आवश्यक है। बीज जमीन में 2.5 से 3 से. मी. गहराई पर पडने चाहिए। मेड़ – नाली विधि से बुवाई करने पर नमी संरक्षण तो होता ही है इसके साथ ही उचित जल निकास की सुविधा भी मिलती है जोकि इस फसल के लिए अत्यंत आवश्यक है।

सोयाबीन की खेती के लाभ- सोयाबीन तिलहन की फसल होने के साथ साथ इसमें दलहनी गुण भी होता है अतः यह फसल खेतों में नत्रजन एकत्रीकरण करने में मददगार होती है। जिससे खेत की उर्वरा शक्ति बढती है। इसमें प्रोटीन की अधिकता होने के कारण यह विशेष रूप से प्रोटीन की कमी से होने वाली कुपोषणता को दूर करने में सहायक हो सकती है। सोयाबीन का सेवन न केवल शरीर की कोशिकाओं के विकास और मरम्मत में मदद करता है, बल्कि मानसिक संतुलन को बेहतर बनाने और दिमाग को तेज करने में भी सहायक है।

ब्रिज निर्माण कम्पनी के कर्मी ने हरे-भरे महोगनी पेड़ को काटकर लगाया ठिकाना, जिप अध्यक्ष ने जताया रोष

बीएनएम। मोतिहारी

जिला परिषद् कार्यालय प्रकोष्ठ में समीक्षात्मक बैठक के दौरान कनीय अभियंता के द्वारा बताया गया कि स्टेशन फीडर रोड में रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण कम्पनी, दयाल हाईटेक इंजिनियरिंग प्रा.लि. के कर्मी एवं वन विभाग के कर्मी द्वारा हरे-भरे महोगनी के पेड़ काटकर रात्रि में चुरा कर चांदमारी में ले जाया गया और तहकीकात के दौरान ज्ञात हुआ कि वन विभाग के कर्मी सकल राम के द्वारा महोगनी का पेड़ दरवाजे पर रखा गया है। जिसका फोटोग्राफ्स भी लिया गया है। जिला परिषद् अध्यक्ष ममता राय ने रोष व्यक्त करते हुए बताया गया कि दिनांक- 10.07.2024 को मैने स्वयं पेड़ काटते हुए देखा और कार्रवाई हेतु उप विकास आयुक्त-सह- मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद् को लिखा उसके पश्चात डीडीसी ने भी निमार्ण कम्पनी को काटे गये वृक्षो का भंडारण जिला परिषद् कार्यालय में कराने का निर्देश दिया बावजूद इसके एक तो जिला परिषद् के बिना अनुमति के तथा दुसरे मना करने के बाद भी पेड़ चुरा कर ले जाना बहुत गंभीर विषय है। जिप अध्यक्ष श्रीमति राय ने इस संबंध में हरे वृक्ष काटने के विरूद्ध जिलाधिकारी तथा वन विभाग पटना को संसूचित करने का निर्देश दिया है। जिप अध्यक्ष श्रीमति राय ने कहा कि प्राप्त जानकारी के अनुसार पुल निर्माण कम्पनी द्वारा पूर्व में भी दो पेड़ काट कर जिला परिषद् कार्यालय में न भंडारित कर कही गायब कर दिया गया है। उन्होने चिन्ता व्यक्त करते हुए उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी को निर्माण कम्पनी एवं वन विभाग के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई करने के लिए सख्त निदेश दिया है।

445 बोतल विदेशी शराब के साथ एक गिरफ्तार

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

जिले के छतौनी थाना क्षेत्र अंतर्गत पायल टाकीज के पास से पुलिस ने विदेशी शराब की खेप के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर दुर्गा धांगड़ बताया गया है। वही उसका एक सहयोगी विनोद धांगड़ मौके से भाग निकला। गिरफ्तार तस्कर के पास से 300 एमएल का 445 पीस विदेशी शराब जब्त की गई है। इस मामले में पीएसआई संगीता कुमारी के बयान पर दोनो तस्करो के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। थानाध्यक्ष धनंजय कुमार सिंह ने बताया है कि गिरफ्तार तस्कर को पुछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

गोपालगंज में मोहर्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी,334 स्थानों पर पुलिस पदाधिकारी और दंडाधिकारी की तैनाती

बीएनएम। गोपालगंज

जिले में मुहर्रम त्यौहार को लेकर गया जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है। शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में ये त्यौहार मनाया जाए इसके लिए व्यापक तैयारी की गई है। त्यौहार के पूर्व से ही जिला प्रशासन सतर्कता बरत रही है। जिले भर में पुलिस की गश्त तेज कर दी गई है। असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखी जा रही है। मुहर्रम के दौरान जिले में विधि व्यवस्था को बनाए रखने के लिए 334 स्थानों पर पुलिस पदाधिकारी और दंडाधिकारी की तैनाती की गई है। सोशल मीडिया पर भी प्रशासन की कड़ी निगरानी रहेगी। अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसडीओ डॉ प्रदीप कुमार ने बताया कि चप्पे चप्पे पर पुलिस की तैनाती गई है।बुधवार को मोहर्रम की ताजिया निकालने को लेकर निर्धारित किए गए स्थानों पर दंडाधिकारियों के अलावा पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। पर्व के दौरान निकलने वाला ताजिया को देखते हुए शहरी क्षेत्र में भी सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। इसके अलावा उन तमाम स्थानों पर सुरक्षा बल तैनात किए गये हैं जहां पर्व के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी की आशंका है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इस पर्व को देखते हुए जिले में चिन्हित किए गए स्थानों पर 334 दंडाधिकारियों की तैनाती की गयी है। हरेक इलाके में पर्व को देखते हुए पुलिस को पैनी नजर रखने का आदेश दिया गया है। इस पर्व को देखते हुए जिलाधिकारी तथा आरक्षी अधीक्षक ने संयुक्त रूप से आदेश जारी कर आम लोगों से अफवाहों से बचने की अपील की है। पर्व को लेकर जिला मुख्यालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

अनुमंडल पदाधिकारी ने बांध का निरीक्षण कर दी आवश्यक दिशा-निर्देश

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के चकिया अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा केसरिया प्रखंड के दक्षिणी हुसैनी पंचायत स्थित बांध का निरीक्षण रविवार को किया गया। यहां पर ओएनजीसी गैस पाइपलाइन बांध के एक तरफ से दूसरी तरफ जा रहा था जिससे बांध से होकर पानी के हल्के रिसाव की सूचना मिली थी। अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि यहां पर सहायक अभियंता बाढ़ नियंत्रण, केसरिया के द्वारा तुरंत रिसाव वाले जगह पर मरम्मत कराई गई और कटाव रोधी कार्य कराया गया जिससे पानी का रिसाव बंद हो गया। उन्होंने बताया कि बांध की दूसरी तरफ कोई बसावट नहीं है, उधर एक भी घर नहीं है। रिसाव का पानी हल्के रूप में खेतों में आया है। यहां किसी प्रकार की कोई क्षति नहीं हुई है। यहां पर लगातार नजर रखने के लिए सहायक अभियंता को निर्देश दिया गया है।

विधानसभा अध्यक्ष ने पटना में डा आईबी कुमार को किया सम्मानित

बीएनएम। पश्चिम चंपारण(बगहा)

बगहा प्रखंड बगहा एक के बीबी - बनकटवा पंचायत स्थित विशुनपुरवा गांव के डा इन्द्र भूषण कुमार को बेहतर सेवा करने के लिए पटना में विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने सम्मानित किया है। वे बिहार एक्युप्रेशर योग कांलेज भारतीय एक्युप्रेशर योग परिषद व स्वास्थ्य जागरुकता मिशन की ओर से आयोजित अधिवेशन भवन में 31 वां राष्ट्रीय एक्युप्रेशर व एक्यूपंक्चर सम्मेलन के दौरान विधानसभा अध्यक्ष यादव ने डा आईबी कुमार को सम्मानित किया है। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एक्युप्रेशर सबके लिए जरुरी है। इसके लिए विधानसभा की याचिका समिति में लंबित स्वास्थ्य जागरुकता मिशन पर त्वरित कार्यवाही करते हुए एक्युप्रेशर एक्ट लागू होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सबसे अधिक हो रहे रोगों में डायबिटीज, ब्लडप्रेशर इत्यादि रोगों का एक्युप्रेशर तकनीक से अच्छा इलाज है। जानकारी हो कि डा आईबी कुमार को कोरोना वैश्विक महामारी में बेहतर सेवा करने के लिए तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा ने गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया था। इस अवसर पर सम्मेलन संयोजक सह कालेज सचिव डा अजय प्रकाश, शाम्भवी प्रकाश, डा राज किरण, डा अनिता सिन्हा, डा संजय कुमार, डा राहुल कुमार, डा राधेश्याम केसरी समेत दर्जनों की संख्या में लोग मौंजूद रहें।

सीमा जागरण मंच ने किया निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

जिले के कुंडवा चैनपुर अंचल क्षेत्र के गुरहनवा और गोरगांवा में रविवार को सीमा जागरण मंच के द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। पटना एम्स से आए डॉ शिशिर कुमार के नेतृत्व में गुरहनवा और लोकेश कुमार के नेतृत्व में गोरगांवा में मरीजों का निःशुल्क जांच कर दवा दिया गया। उक्त जानकारी सीमा जागरण मंच के बिहार प्रदेश उपाध्यक्ष धीरज जायसवाल ने दी है। कार्यक्रम में अशोक गुप्ता, बिगन सिंह, अंकेश कुमार, सुबोध सिंह के साथ अन्य सहयोगी मौजूद रहे।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

ड्रोन कैमरा से उपद्रवियों पर रखी जायेगी नजर : एसडीओ

- मुहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित
- जुलूस के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य

बीएनएम। केसरिया

मुहर्रम पर्व को सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर केसरिया थाना परिसर में थानाध्यक्ष उदय कुमार की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। रविवार को आयोजित इस बैठक में केसरिया व बिजधरी थाना क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, डीजे संचालक व विभिन्न दल के लोग शामिल हुए। संबोधित करते हुए चकिया एसडीओ शिवानी शुभम ने कहा कि मुहर्रम पर्व में जुलूस निकालने के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य है।आयोजन समिति के कम से कम 10 सदस्यों का नाम, पता व मोबाइल संख्या थाना को उपलब्ध कराना होगा। जुलूस निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार मेला स्थल पर जाएगी। इसके साथ समिति के सदस्य व स्वयंसेवक रहेंगे। उन्होंने कहा की डीजे बजाने पर पूरी तरह पाबंदी रहेगी। जुलूस में अगर डीजे बजाते पकड़ा गया तो संबंधित समिति के अध्यक्ष, सदस्य व डीजे संचालक पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। उपद्रवियों व असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए मिलान स्थल व जुलूस पर ड्रोन कैमरा से निगरानी की जायेगी। साथ हीं जुलूस व भीड़भाड़ वाले जगहों की वीडियोग्राफी करायी जाएगी। उन्होंने इस पर्व को सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने की अपील की। वहीं डीएसपी सत्येन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि विधि-व्यवस्था के मद्देनजर पुख्ता व्यवस्था रहेगी। चिन्हित एवं संवेदनशील जगहों पर दंडाधिकारी व पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर विशेष नजर रहेगी। सोशल मीडिया पर भ्रामक व झूठी पोस्ट डालने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।बैठक में आये लोगों ने अपने-अपने क्षेत्र से निकलने वाली ताजिया जुलूस व इसमें आने वाली समस्या से अवगत कराया। जिस पर अधिकारियों ने समुचित व्यवस्था कराने की बात कही। बैठक में सीओ पूनम मिश्रा, पुलिस निरीक्षक मुनीर आलम, नपं के ईओ विनीत कुमार, बिजधरी थानाध्यक्ष राजीव कुमार के अलावा कांग्रेस नेत्री प्रो सुमित्रा कुमारी यादव, जदयू नेता वसील अहमद खान, सीपीआई नेता नेजाम खान, चुन्नू सिंह, विनोद कुशवाहा, मुखिया भोला कुमार, मुखिया दिलीप राय, सरपंच मोहन दास, सरपंच अरुण यादव, नागेंद्र राम, देवालाल यादव, मंटू सिंह, नंदेश्वर कुमार यादव, परमेश्वर सर्राफ, मुन्ना खान, विनोद गुप्ता, साजिद खान, विशुराज सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

हथियार व लूट की बाइक के साथ चार अपराधी गिरफ्तार

बीएनएम। केसरिया/कल्याणपुर। पुलिस ने अपराध की योजना बना रहे चार अपराधियों को हथियार व लूट की बाइक के साथ गिरफ्तार किया गया है। केसरिया थाना परिसर में रविवार पत्रकारों को जानकारी देते हुए चकिया डीएसपी सत्येन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि कल्याणपुर थाना क्षेत्र स्थित श्रीराम जानकी मठ के पास अपराधियों के होने की सूचना मिली। जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए चार अपराधियों को पकड़ा गया। गिरफ्तार अपराधी मधुबन का राजा कुमार, सचिन कुमार व राहुल कुमार एवं चकिया का शिवम कुमार है। इन लोगों के पास से एक देशी कट्टा, एक सिक्सर, एक जिंदा कारतूस, चोरी की चार बाइक, पाँच मोबाइल, एक चाकू व चार मास्टर चाभी बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों में शिवम कुमार पर पूर्व में मधुबन थाना में चोरी मामले में एफआईआर दर्ज है। गिरफ्तार सभी अपराधियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस कार्रवाई में कल्याणपुर थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार, एसआई शिवनाथ प्रसाद, एसआई रामकुमार पासवान सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

हरसिद्धि थाना परिसर में मोहरर्म को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

बीएनएम। हरसिद्धि। मोहर्रम को लेकर स्थानीय थाना परिसर में रविवार शांति समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज पासवान ने किया। बैठक में मोहर्रम पर्व में शांति बनाए रखने के लिए उपस्थित प्रतिनिधियों से आग्रह किया की आपसी भाईचारे का पर्व को शांति पूर्ण मनाएंगे। प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज पासवान ने बताया कि मोहर्रम पर्व में डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगी। थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया कि असामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी, जिससे आपसी सौहार्द बना रहे। उन्होंने सभी जन प्रतिनिधि को अपना मोबाइल नम्बर दिया और कहा कि कही भी कोई अप्रिय घटना की सूचना मिले तो पहले मेरे पास सूचना करे। मौके पर मारकंडे कुशवाहा, मुखिया पति ललन सहनी, मनीर मियां, मुन्ना सिंह, कमल आदम खान, डॉ. ए आलम, अलाउद्दीन अंसारी आदि जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मोहर्रम पर्व को लेकर नौतन थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

- मोहर्रम पर्व आपसी भाईचारे के साथ शांति का पैगाम देता है
- आपसी भाईचारे के साथ मनाए मोहर्रम पर्व,सौहार्द बिगड़ने वाले पर होगी पैनी नजर

बीएनएम। नौतन। थाना परिसर में आगामी मुहर्रम पर्व को मध्य नजर रखते हुए शांति समिति की बैठक हुई। शांति समिति की बैठक में थाना क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों से सभी जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।शांति समिति की बैठक की अध्यक्षता सदर डीएसपी रजनीश कांत प्रियदर्शी व थाना अध्यक्ष राजेश कुमार कर रहे थे।वही डीएसपी ने कहा डीजे पूरी तरह से प्रतिबंध है। डीजे बजाने वाले को पकड़े जाने पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी और सामाजिक तत्व पर पैनी नजर होगी।किसी तरह के सौहार्द बिगड़ना वाले को बकसा नहीं जाएगा।हर क्षेत्र में पुलिस का गश्ती दल पूरी मुस्तादी के साथ तैनात किया जाएगा। वही थाना अध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि मोहर्रम पर्व आपसी भाईचारे का पैगाम देता है इस भाईचारे के साथ मनाएं। मौके पर प्रमुख कृष्णदेव चौधरी,उप प्रमुख अफसर हुसैन,असलम अंसारी, आलमगीर मियां,इत्यादि मौजूद रहे।

मुहर्रम पर्व को लेकर थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

बीएनएम। तुरकौलिया

मुहर्रम पर्व को लेकर थाना परिसर में थानाध्यक्ष सुरेश यादव की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। जहां काफी संख्या में जनप्रतिनिधि मौजूद थे। बैठक को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष ने कहा कि पर्व सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाना है। सभी जनप्रतिनिधियों व गणमान्य लोगों की सहायता अपेक्षित है। मुहर्रम का जुलूस निकालने के लिए लाइसेंस लेना आवश्यक है। जुलूस के दौरान किसी तरह का हुड़दंग नही करना है। डीजे बजाने पर रोक रहेगा। डीजे बजाते पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। त्योहार के दौरान तुरकौलिया चौक-बाजार, कवलपुर, जयसिंहपुर में पुलिस की खास निगरानी रहेगी। वैसे तो सभी जगहों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। वीडियोग्राफी के साथ जुलुस निकालना है। विगत 6-7 वर्ष पूर्व मुहर्रम व दुर्गा पूजा एक साथ पड़ा था। जहां पर्व के दौरान हुड़दंग हुआ था। इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति नही हो, इसलिए पुलिस सभी जनप्रतिनिधियों से सहायता की जरूरत है। कहीं भी संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर पड़े तो इसकी सूचना तुरंत स्थानीय प्रशासन को देना है। ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। बैठक में जिला पार्षद प्रतिनिधि हेमंत किशोर वर्मा, प्रमुख प्रतिनिधि मुन्ना लालयादव,मुखिया सुनील टाइगर, अशरफ आलम, शंभु श्रीवास्तव, विनोद सिंह, बालेश्वर सिंह, बिनोद साह, पूर्व मुखिया बेबी आलम, पंचायत समिति सदस्य ईद मुहम्मद देवान, अशोक यादव, पेटू राय, सागर पटेल उर्फ बंगाली, पूर्व मुखिया कमरूज्जमा, अख्तर हुसैन, कलाम अंसारी, सरपंच मनोज कुमार, नबीरसूल अंसारी, सरपंच मनोज कुमार, सरपंच अतिउल्लाह, उप सरपंच अजमल कमाल आदि मौजूद थे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने दरोगा पद पर नवचयनित दिवाकर को किया सम्मानित

बीएनएम। हरसिद्धि

प्रखंड क्षेत्र के हरसिद्धि पकड़िया पंचायत के अरविंद दास के पुत्र दिवाकर कुमार दरोगा परीक्षा पास कर जब घर आए तो स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने सम्मानित किया। भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा दरोगा दिवाकर कुमार को शॉल देखकर सम्मानित किया। सम्मानित करने वालों में भाजपा नेता राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, मार्कण्डेय कुशवाहा, ने फुल माला व अंग वस्त्र देकर अपने पंचायत के होनहार दरोगा को सम्मानित किया। श्री गुप्ता ने बताया कि हरसिद्धि पकड़िया पंचायत में वह प्रथम छात्र है जो दरोगा के लिखित परीक्षा पास कर सब इंस्पेक्टर के पद को सुशोभित कर रहा है। उन्होंने बताया कि इस पंचायत के लिए मान सम्मान की बात है, इसलिए हम सभी लोगों ने उनको सम्मानित किया। इस सम्मान को देखकर आने वाला पीढ़ी इससे बेहतर कर सम्मानित होंगे। उन्होंने उपस्थित सभी युवाओं से कहा कि आप लोग भी ऊंची मुकाम पाये और हम लोगों को आप लोग सम्मान में करने का मौका दें। उन्होंने बताया कि सम्मान मिलना एक बहुत बड़ी उपलब्धि होती है, इसलिए हमारे क्षेत्र के प्रथम सब इंस्पेक्टर को सम्मान देना हम लोगों का कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि आगे बढ़ते देखकर प्रखंड क्षेत्र के कई छात्र इसे मिलकर आगे बढ़ेंगे। मौके शर्मा गिरी, मनोज दास, मनोज कुशवाहा, बृजमोहन दास, नागेंद्र राम, नंदकिशोर प्रसाद, प्रदीप कुमार, कृष्ण कुमार ने दिवाकर को सब इंस्पेक्टर बनने पर बधाई दिया।

जमुनिया टोला में चंपारण तटबंध से हो रहे रिसाव को रोका गया

बीएनएम। केसरिया

प्रखण्ड क्षेत्र स्थित गंडक नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। जिसके कारण नदी तटवर्ती बसे लोगों की मुश्किलें बढ़ गई है। हालांकि अभी तक स्थिति नियंत्रण में है। रविवार को दक्षिणी हुसैनी पंचायत के जमुनिया टोला स्थित बांध में रिसाव होने लगा। यहाँ पर ओएनजीसी गैस पाइपलाइन बांध के एक तरफ से दूसरी तरफ हो कर जा रहा है। जिसके कारण बांध से होकर पानी का रिसाव होने लगा। सूचना पर चकिया एसडीओ शिवानी शुभम व केसरिया अंचलाधिकारी पूनम मिश्रा ने रिसाव स्थल पर पहुँच स्थिति का जायजा लिया। साथ हीं रिसाव को रोकने को लिए आवश्यक मरम्मती कार्य कराया। एसडीओ ने बताया कि रिसाव स्थल पर सहायक अभियंता बाढ़ नियंत्रण के द्वारा तुरंत मरम्मत कार्य करायी गई है। जिससे पानी का रिसाव बंद हो गया। उन्होंने बताया कि बांध की दूसरी तरफ कोई बसावट नहीं है। रिसाव का पानी हल्के रूप में खेतों में आया है। यहाँ किसी प्रकार की कोई क्षति नहीं हुई है। स्थिति पर लगातार नजर रखने के लिए सहायक अभियंता को निर्देश दिया गया है। वहीं एसडीओ व सीओ ने कढान पंचायत के वार्ड नौ, दस व 11 एवं ढेकहाँ पंचायत में भी पहुँच स्थिति की जानकारी ली।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US
Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

संपादकीय

नशाखोरी का विकराल वैश्विक स्वरूप

हर तरह के एक सूखे और अन्य नशे से न सिर्फ शारीरिक, मानसिक, सामाजिक संरचना कमजोर होती है, बल्कि परिवार, समाज और देश के आर्थिक तंत्र पर बड़ी चोट लगती है। वैश्विक स्तर पर माना जाता है कि विश्व का हर चौथा युवा नशे की गिरफ्त में है। भारत युवा शक्ति का देश है और भारत को नशे की गिरफ्त से बचा कर एक ऊर्जावान युवा शक्ति का बड़ा केंद्र बनाना ही हमारी सार्थकता होगी। विव्यापी नशे की व्यापकता को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ महासभा ने 7 दिसम्बर, 1987 को एक प्रस्ताव पारित कर हर वर्ष 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस मनाने का निर्णय लिया था। यह एक तरफ लोगों को नशे के प्रति चेतना फैलाता है, वहीं नशे की गिरफ्त में आए लोगों के उपचार की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम भी उठाता है। मादक पदाथरे के नशे की लत युवाओं में तेजी से फैल रही है। कई बार फैशन की खातिर दोस्तों के कहने पर लिए गए मादक पदार्थ अक्सर युवाओं के लिए जानलेवा साबित होते हैं। युवा तो युवा बच्चे भी फेविकोल, तरल इरेजर, पेट्रोल की गंध और स्वाद के प्रति आकर्षित होते हैं, और कई बार कम उम्र के बच्चे आयोडेक्स, वोलीनी जैसी दवाओं को सूघ कर नशे का आनंद लेते हैं। तंबाकू, सिगरेट, गांजा, कोकीन, चरस, स्मैक, भांग जैसी नशीली वस्तुओं का युवा सेवन कर अपनी जिंदगी से खेलने में लगे हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस मनाने के साथ-साथ मादक पदाथरे से मुकाबले के लिए विभिन्न देशों द्वारा उठाए गए कदमों तथा इसके मार्ग में उत्पन्न चुनौतियों तथा निवारण का सही- सही उपचार भी बताता है। भारत में शराब सेवन करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। मद्यपान के कारण 1500 से दो हजार भारतीय शराब के नशे में प्रति वर्ष मर जाते हैं। आज हर 20 व्यक्तियों में से एक व्यक्ति शराबखोर है। पुरु ष तो पुरु ष महिलाएं भी मद्यपान की ओर आकर्षित हो रही हैं। विशेषकर उच्च तथा मध्यमवर्गीय परिवारों में महिलाएं शराब का सेवन करने लगी हैं। महानगरों में बड़े शहरों की कामकाजी महिलाओं के छात्रावासों तथा हॉस्टल में महिलाओं का शराब का सेवन तेजी से बढ़ते जा रहा है। एक सर्वे के अनुसार करीब 20 से 25% महिलाएं शराबखोरी की गिरफ्त में आ चुकी हैं। यूरोपियन देशों में महिलाओं की नशाखोरी की आदत का प्रतिशत 60% से ऊपर है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बैठकों, सेमिनार तथा मीटिंग में शराब का सेवन आम बात बन गई है। यह एक फैशन की तरह महिलाओं के मध्य फैल कर उन्हें नशे की लत में डुबोने लगा है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार नशा मनुष्य के जीवन के लिए जहर जैसा है, नशे की लत में वैवाहिक जीवन भी टूटने के कगार पर आ जाता है। मनुष्य के शरीर का लीवर, किडनी तथा अन्य अंग खराब होकर मृत्यु की ओर ले जाने को तत्पर रहते हैं। नशे से दूर रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तथा राष्ट्रीय स्तर पर भारत में भी अनेक उपाय किए जा रहे हैं। नशा मुक्ति केंद्र तथा नशे के पदाथरे पर चेतावनी आदि लिखने का काम किया जा रहा है। नशा आज युवाओं को पथभ्रष्ट चरित्रहीन और अपराधी बनाने के पीछे एक बड़ा घातक कारण है। नशे की प्रवृत्ति से बचाने के लिए मनुष्य को नशे से हर हाल में दूर रखना होगा अन्यथा आने वाली पीढ़ी राष्ट्रीय चरित्र, राष्ट्रीय सम्मान तथा राष्ट्रीय शक्ति को भूलती जाएगी और नशे की लत में युवा अपने कर्त्तव्य से परे हो जाएगा जो एक बहुत ही खतरनाक स्थिति होगी।

- संजीव ठाकुर

सुप्रीम फैसला : सीबीआई जाँच के लिए, राज्य की मंजूरी जरूरी....?

सर्वोच्च न्यायालय ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले के माध्यम से अब तक चली आ रही उन दुर्भावनापूर्ण सीबीआई जांचों पर पाबंदी लगा दी है, जिसका अब तक मुख्य आधार राजनीतिक विद्वेष होता रहा है, अब सर्वोच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट निर्देश दे दिया है कि किसी भी राज्यके किसी भी मामले में सीबीआई बिना राज्य सरकार की पूर्व अनुमति के शुरू नही कर सकती, अब तक केन्द्र में काबिज राजनीतिक दल अपने विरोधी दलों की राज्य सरकारों को सीबीआई के हथियार से डराया धमकाया करते थे और राज्य सरकार कुछ नही कर पाती थी, अर्थात् केन्द्र में राज करने वाला राजनीतिक दल अपने दल विरोधी राज्य सरकारों को सीबीआई के हथियार से डराया धमकाया करता था किंतु अब पश्चिम बंगाल की शिकायत पर दर्ज मामले में सुप्रीम कोर्ट की साफगोई के बाद यह संभव नही हो पाएगा।

आज की तारीख में पूरे देश के राज्यों में ढाई सौ से अधिक ऐसे मामले चल रहे है जो केन्द्र द्वारा राजनीतिक विद्वेष के कारण अपनी विरोधी दलीय राज्य सरकारों पर सीबीआई जांच बिठा रखी है और इस तरह सीबीआई को राजनीतिक हथियार बना रखा है, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी की पहल पर यह मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा और सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए और केन्द्र पर यह पाबंदी लगा दी कि वह बिना सम्बंधित राज्य सरकार की पूर्व अनुमति के सम्बंधित राज्यके किसी भी सीबीआई के माध्यम से जांच नही थोप सकता। जांच के लिए उसे पहले सम्बंधित राज्य की सरकार से जांच की अनुमति लेनी पडेगी। इस प्रकार सुप्रीम कोर्ट ने देश में चल रहे उस राजनीतिक चलन पर पाबंदी लगा दी जिसका आधार पूर्वाग्रही राजनीति रही है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का देश के राजनीति व उनके नेताओं पर क्या असर होता है? यह तो इसके लागू हो जाने के बाद अब भविष्य में पता चलेगा, किंतु यह सही है कि यह भारतीय राजनीति को स्वच्छ निर्मल बनाने में सुप्रीम कोर्ट की पहल अवश्य सिद्ध होगी।

वैसे यह चलन हमारे भारत में कोई नया नही है, आजादी के बाद नेहरू युग से चला आ रहा है वैसे उस समय देश के अधिकांश राज्यों पर कांग्रेस का ही कब्जा था और उस समय सीबीआई संगठन भी नही था, किंतु केन्द्रीय जांच के नाम पर यह कथकंडा अवश्य अपनाया जाता था। धीरे-धीरे इस हथकंड़े ने प्रभावी रूप धारण किया और इस नई सदी में तो इसने विशाल रूप धारण कर लिया और यह राजनीतिक विद्वेष का प्रमुख हथियार बन गया और इसी का परिणाम है कि आज केन्द्र द्वारा अपनी दल विरोधी राज्य सरकारों को परेशान करने के लिए इसी सीबीआई को हथियार बना रखा है।

अब सर्वोच्च न्यायालय के इस अहम् फैसले के बाद उम्मीद है कि केन्द्र द्वारा सीबीआई के राजनीतिक दुरूपयोग पर अंकुश लग जाएगा और किसी भी राज्यके किसी भी मामले में सीबीआई से जांच करवाने के पहले काफी सोच-समझकर और सम्बंधित राज्य की पूर्व अनुमति लेकर ही सीबीआई जांच की प्रक्रिया शुरू की जाएगी और यह तय है कि ऐसी जांच के अधिकांश मामलों में सम्बंधित राज्यों से केन्द्र को जांच की अनुमति नही मिल पाएगी और धीरे-धीरे सीबीआई नामक महत्वपूर्ण जांच एजेंसी का राजनीतिक दुरूपयोग कम होता जाएगा।

यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय जांच संगठन अर्थात् सीबीआई में अफसरों की तैनाती भी अब तक काफी विवादास्पद रही है, मुख्यतः इस संगठन में तैनाती के पूर्व सम्बंधित अफसरों का राजनैतिक समर्पण भाव जांचा परखा जाता रहा है, इसीलिए सरकार बदलते ही यह संगठन सर्वाधिक प्रभावित होता रहा है, किंतु अब सर्वोच्च न्यायालय के अनुमति सम्बंधी फैसले के बाद अब केन्द्र के राजनैतिक हथकंड़ों पर थोड़ी बंदिश अवश्य लग जाएगी, ऐसी उम्मीद की जा रही है।

-ओमप्रकाश मेहता

खेती-किसानी : कम भूमि में ज्यादा उपलब्धि

भारतीय कृषि मूलतः छोटे किसानों की कृषि है, और यदि छोटे किसान कृषि के आधार पर संतोषजनक आजीविका प्राप्त करते हैं तो इससे भारतीय कृषि संकट के समाधान के लिए उम्मीद बांती है। इस दृष्टिकोण से इन पंक्तियों के लेखक ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र आदि अनेक राज्यों में ऐसे छोटे किसानों तक पहुंचने का प्रयास किया जिनके प्रयास ऐसी उम्मीद की किरण देने में सक्षम हैं। इस तरह का एक विशेष तौर पर उत्साहवर्धक प्रयास है, बालचंद्र अहिरवार नामक दलित किसान का जिन्होंने अपनी पत्नी गुड्डी, माता-पिता, भाइयों और परिवार के अन्य सदस्यों के सहयोग से जैविक खेती के माध्यम से संतोषजनक और टिकाऊ आजीविका का अनुकरणीय उदाहरण टीकमगढ़ जिले (मप्र) के जतारा ब्लॉक के लिोराताल गांव में प्रस्तुत किया। बालचंद्र के पास मात्र 2 एकड़ कृषि भूमि है। उस भूमि का भरपूर उपयोग कर वे अनेक विविध फसलें प्राप्त करते हैं। उनकी रबी की मुख्य फसल गेहूं है और खरीफ की मुख्य फसल मूंगफली है जिनसे मुख्य खाद्य सुरक्षा और नकद आय प्राप्त होती है। पर इसके साथ उन्होंने सब्जी और फलों का बगीचा भी कुछ भूमि पर तैयार किया है और मुख्य फसलों के साथ अनेक अन्य फसलें मिश्रित खेती पद्धति से बो देते हैं और खेतों की मेढ़ों पर भी कुछ न कुछ फसल प्राप्त करते हैं।

इस तरह उनका खेत बहुत हरा-भरा रहता है और गर्मी की बहुत ताप से भी धरती बचती है। छाया और नमी से सूक्ष्म जीव और केचुएं बेहतर पनपते हैं। मात्र 2 एकड़ भूमि में वे गेंहू और मूंगफली के अतिरिक्त मक्का, मटर, चना, मसूर, मूंग, उड़द, सरसों, हल्दी, लहसुन, प्याज, आलू, टमाटर, बैंगन, तुरई, लौकी, पालक, धनिया, मेथी, खीरा, सेम, गाजर, फूलगोभी, रतालू, करेला, भिंडी, सेहजन की फली और गेंदे के फूल लगाते हैं। फलों को देखें तो अमरूद, अनार, नींबू, आम, कटहल, लीची, संतरे, अनार, पपीते के पेड़ लगाए हैं। इस तरह 2 एकड़ भूमि के खेत को भली-भांति प्यार से पालते-पोसते हुए वे लगभग 44 खाद्य प्राप्त करते हैं। यह खेती पूरी तरह जैविक है। इसमें किसी रासायनिक खाद और कीटनाशक दवा का कतई उपयोग नहीं होता। प्राकृतिक खाद को बालचंद्र अपने खेत पर स्वयं गोबर और गोमूत्र को थोड़े से बेसन और गुड़ के साथ विशेष अनुपात में मिला कर तैयार करते हैं। इसी तरह कीड़ों की रोकथाम के लिए गोबर, गोमूत्र के साथ तरह-तरह के कड़वे पत्तों को मिला कर एक छिड़काव तैयार किया जाता है। यह खाद और दवा बालचंद्र बड़ी मात्रा में तैयार करते हैं। पिछले वर्ष उन्होंने इस प्राकृतिक खाद और छिड़काव को 165 किसानों तक पंहुचाया। यह बड़े पैमाने पर तैयार करते के लिए 'सृजन' संस्था के सहयोग से बालचंद्र के खेत पर पलक प्राकृतिक कृषि एवं प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की गई है।

यहां कृषकों को पावर टिलर, छिड़काव पंप आदि उपकरण भी प्राष्त होते हैं। बालचंद्र को सरकारी स्तर पर भी पुरस्कृत किया जा चुका है, और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में वे सैकड़ों किसानों को प्राकृतिक खेती के अपने अनुभवों का लाभ दे चुके हैं। बालचंद्र को इस तरह की बहुत रचनात्मक खेती करने में बहुत आनंद आता है और वे जो बहुत मेहनत करते हैं, खुशी-खुशी करते हैं। विश्राम करते हुए भी वे यह सोचते हैं कि इस खेत या क्यारी या पेड़ को किस तरह से ठीक करना है। वे मानते हैं कि प्राकृतिक खेती के लिए ऐसे प्यार और निष्ठा के बिना सफलता नहीं मिलती। इस कृषि से बालचंद्र के परिवार का संतोषजनक निर्वाह होता है। अपने दोनों बेटों को वे छतरपुर और भोपाल में नर्सिंग और फार्मेसी की उच्च शिक्षा भी दिलवा रहे हैं। बालचंद्र को इस खेती में इतनी निष्ठा है कि वे अपने निवास को भी खेत में ही ले आए हैं। प्राकृतिक खेत के आरंभिक दिनों में कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने उनका मजाक उड़ाया पर आज वही व्यक्ति उन्हें सम्मान दे रहे हैं। बहुत सावधानी से बालचंद्र ने रासायनिक खाद, कीटनाशक, अत्यधिक मशीनीकरण के खचरे को दूर किया है। ट्रैक्टर के प्रति उनका मोह नहीं है और इसकी अपेक्षा बहुत सस्ते पावर टिलर में वे जुताई करते हैं। शराब, गुटखे हर तरह के नशे से सदा दूर रहते हैं। उनके पास चार गाय, चार बछड़े, चार बकरी और एक भैंस है। दूध का उपयोग घर-परिवार के पोषण के लिए करते हैं, बेचते नहीं हैं। इन पशुओं से प्राप्त गोबर और गोमूत्र को भी वे उनकी बड़ी देन मानते हैं। बालचंद्र के लिए सबसे बड़ी समस्या पानी और प्रतिकूल होते मौसम की है। उनके पास एक छोटा सा कुआं है जिसमें कुछ बोर करवाना पड़ा क्योंकि पानी की कमी होती जा रही थी। इस वर्ष गर्मी का प्रकोप बढ़ने से भी समस्या आई। कभी सूखे तो कभी ओले का प्रकोप सहना पड़ता है। इसके बावजूद वे पूरी निष्ठा से खेती करते रहते हैं और उन्होंने अपने अनुभवों से समझाया कि जैविक खेती की फसल में इन विभिन्न तरह का प्रतिकूल मौसम रहने की क्षमता बेहतर होती है। इसके अतिरिक्तत प्राकृतिक खेती में प्रति एकड़ खर्च बहुत कम होता है और कर्ज व ब्याज के जाल से बचा जा सकता है। बालचंद्र बताते हैं कि 2018 में उन्होंने रासायनिक खाद और कीटनाशक वाली खेती को छोड़कर प्राकृतिक खेती की ओर आना आरंभ किया। उनके अनुभव से पता लगता है कि इस तरह के बदलाव में लगभग तीन वर्ष का समय लग जाता है। स्वयं प्राकृतिक खेती को अपना कर अपने दोनों भाइयों को भी प्राकृतिक खेती की ओर लाए। जहां बालचंद्र ने प्राकृतिक खेती और टिकाऊ आजीविका का अनुकरणीय उदाहरण प्रास्तुत किया है वहां सृजन संस्था से जुड़े अनेक अन्य किसानों ने भी आसपास के गांवों में ऐसी ही खेती-किसानी की उपलब्धियां प्राप्त की हैं जिससे छोटे किसानों के लिए उम्मीद उत्पन्न होती है। इसी प्रखंड की बात करें तो पठारी गांव के कमलेश कुशवाहा ने लगभग 3 एकड़ और नंदराम पाल ने 4 एकड़ के खेत में प्राकृतिक खेती का उत्साहवर्धक उदाहरण प्रस्तुत किया है। जहां एक ओर इन किसानों ने टिकाऊ आजीविका को मजबूत करने वाली खेती को आगे बढ़ाया है, वहीं पर्यावरण की रक्षा भी की है। बालचंद्र ने अपने खेत की मिट्टी खोद कर दिखाया कि इसमें कितने केचुएं और सूक्ष्म जीवन पनपते हैं और मिट्टी को भुरभुरा और उपजाऊ बनाते हैं तथा किसान के अन्य मित्रों मधुमक्खियों और अनेक तरह के पक्षियों की उपस्थिति भी बढ़ गई है। दूसरी ओर, जब जहरीले कीटनाशक छिड़के जाते हैं तो इन पक्षियों और मित्र कीटों की, केचुओं और सूक्ष्म जीवों की बहुत क्षति होती है। मिट्टी के भुरभुरेपन से इसमें कार्बन सोखने की क्षमता बढ़ती है, और खेती में उनके आसपास खड़े पेड़ भी यह भूमिका निभाते हैं। इस तरह कार्बन डायाक्साइड और ग्रीन हाऊस गैसों को कम करने से जलवायु बदलाव का संकट भी कम होता है। रासायनिक खाद और कीटनाशक छोड़ने से फॉसिल फ्यूल की खपत कम होती है।

-भारत डोगरा

मोदी के 'साहसिक मित्र' पुतिन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी हाल की रूस यात्रा में एक अनोखी टिप्पणी की जिसकी ओर मीडिया ने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। रूस मं वैज्ञानिक केंद्र के भ्रमण के दौरान उन्होंने राष्ट्रपति ब्लादीमिर पुतिन का कंधा थपथपाते हुए कहा, 'यह मेरा मित्र बहुत साहसी है।' इस टिप्पणी का संदर्भ पुतिन के पूर्व में किए गए साहसिक कार्यों से भी हो सकता है, लेकिन इसे यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में भी देखा जा सकता है। पुतिन ने यूक्रेन में सैनिक संगठन नाटो और अमेरिका की खुली चुनौती दी है। मोदी के 'साहसी मित्र' को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन युद्ध अपराधी करार देते हैं। इन हालात में यह स्वाभाविक है कि मोदी की सपल यात्रा को लेकर पश्चिमी देशों की भृकुटी तनी हुई है। अमेरिका के व्हाइट हाउस, विदेश मंत्रालय और पेंटागन ने सधी हुई प्रतिक्रिया व्यक्त की है। लेकिन नई दिल्ली में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने अपनी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध हाल के वर्षो में व्यापक बने हैं, लेकिन इनकी बुनियाद ज्यादा पुख्ता नहीं है। साथ ही, उन्होंने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और रणनीतिक स्वायत्तता पर भी सवाल खड़ा किया। उनकी टिप्पणियों में भारत के लिए चेतावनी का तेवर था। यह एक संयोग है कि जिस समय मोदी की रूस यात्रा हुई उसी समय वाशिंगटन में सैन्य संगठन नाटो की शिखर वार्ता आयोजित खी। इसमें सदस्य देशों तथा जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे अमेरिकी सहयोगियों ने रूस विरोधी रणनीति को अंतिम रूप दिया। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की न अपनी भड़ास निकालते हुए कहा, 'दुर्भाग्यपूर्ण है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश का नेता सबसे बड़े अपराधी के साथ गले मिल रहा है।'

मोदी की रूस यात्रा का मीडिया कवरेज पूरी दुनिया में बड़े स्तर पर हुआ जो असाधारण है। पश्चिमी देशों के मीडिया ने एक स्वर से मोदी की यात्रा की आलोचना की तथा कहा कि भारत पर भरोसा नहीं किया जा सकता। यूक्रेन के टेलीविजन ने तो भारत को रूस, ईरान, चीन और उत्तर कोरिया के शैतानी गठबंधन का सदस्य करार दिया। पश्चिमी देशों के विश्लेषक ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं कर रहे हैं लेकिन वे भी इस यात्रा से क्षुब्ध हैं। पहले से भारत विरोधी रवैया अपनाने वाले गुटों को तो मोदी के खिलाफ विषवमन करने का एक मौका मिल गया है। यह देखने वाली बात होगी कि पश्चिमी देशों की सरकारें आने वाले दिनों में भारत के साथ संबंधों पर क्या रवैया अपनाती हैं। इतना निश्चित है कि इन देशों में मोदी को अब पहले जैसा आदर, सत्कार और महत्त्व शायद ही मिले। अमेरिका और पश्चिमी देशों की खुफिया एजेंसियां आने वाले दिनों में मोदी सरकार के प्रति कैसा रवैया अपनातीहैं, इस पर भी भारतीय एजेंसियों को नजर रखनी होगी। पाकिस्तान में इमरान खान के साथ जैसा हुआ उसे दोहराने की कोशिश हो सकती है लेकिन भारत और पाकिस्तान तथा नरेन्द्र मोदी और इमरान खान में जमीन आसमान का अंतर है।

अमेरिका या किसी देश के लिए यह संभव नहीं है कि वह भारत को अस्थिर कर सके। यह जरूर है कि मोदी सरकार को कम बहुमत मिला है तथा देश में भी बहुत से अनसुलझे मुद्दे मौजूद हैं जिन्हें हवा दी जा सकती है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने एनजीओ, थिंक टैंक्स और अन्य संस्थानों के जरिए पूरे देश में जाल फैला रखा है। इन्हें किसी निश्चित उद्देश्य के लिए सक्रिय किया जा सकता है। दुनिया के कई देशों में ऐसे उदाहरण हैं जब अमेरिका ने प्रतिकूल सरकारों को गिराने या अस्थिर बनाने की साजिश की है। भारत में शायद ही ऐसा हो लेकिन अपनी ओर से सतर्कता जरूरी है। इस यात्रा की उपलब्धियों के बारे में दोनों देशों ने सार्वजनिक रूप से ज्यादा ब्यौरा नहीं दिया है, लेकिन यह निश्चित है कि सैनिक और आर्थिक मोर्चे पर जो सहमति बनी हैं, वे भविष्य में साकार होंगी। द्विपक्षीय व्यापार को वर्ष 2030 तक बढ़ाकर 100 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा गया है तथा डॉलर से इतर भुगतान प्रणाली पर सहमति बनी है। सैन्य उत्पादन के जरिए भारत के मेक इन इंडिया अभियान को मदद मिलेगी। **-डॉ. दिलीप चौबे**

आज का पंचांग

सोमवार 2024 वर्ष का 197 वां दिन, दिशाशूल पूर्व ऋतु वर्षा। विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946, मास आषाढ़ पक्ष शुक्ल, तिथि नवमी 19.20 बजे को समाप्त।

आज का राशिफल

मेष : अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञन-विज्ञन की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

वृष : महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्ययकारी सिद्ध होगा।

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें।

कर्क : सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें।

सिंह : अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा।

कन्या : कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनै-शनै बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है।

तुला : पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। दान-पुण्य का कार्य करें। यात्रा शुभ रहेगी।

वृश्चिक : दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ।

धनु : संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा।

मकर : मनोरथ सिद्ध होंगे। पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी।

कुंभ : स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा।

मीन : सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति होगी।

ऑफिस में आपके व्यवहार से प्रतिबिंबित होते हैं लीडरशिप के गुण

जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है।

किसी भी सेक्टर में या किसी भी ऑफिस में, ऐसे लोग होते हैं जो दूसरों को उनका काम करने में मार्गदर्शन देते हैं। जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है। कारण यह कि बैंक में किसी भी दिन ऐसी कई स्थितियां बन सकती हैं, जिनमें संभव है कि ब्रांच मैनेजर भी न समझ पाए कि क्या किया जाना चाहिए। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि ब्रांच में कोई तो हो, जो रास्ता दिखा सके। एक बैंकर को अच्छा लीडर बनाने वाले गुण इस प्रकार हैं –

त्वरित बुद्धि

यह सबसे ज्यादा जरूरी है क्योंकि जब भी पैसों संबंधी कोई समस्या उठ खड़ी होती है, तो अक्सर लोगों का दिमाग काम करना बंद कर देता है। आखिर सवाल रुपए-पैसों का जो है! ऐसी स्थिति में एक लीडर की त्वरित बुद्धि के चलते उसके समक्ष एक नहीं, अनेक उपाय उठ खड़े होंगे। तब वह उनमें से श्रेष्ठ उपाय को चुनकर लागू करेगा।

ठंडा दिमाग

लीडरशिप के लिए यह बहुत जरूरी होता है। बैंकिंग में आपका पाला कई लोगों से पड़ेगा और सब एक जैसे नहीं होंगे। ऐसे भी लोग होंगे, जो बैंक में आकर आपसे या स्टाफ के किसी अन्य सदस्य से बहस करेंगे लेकिन ऐसे में आपको अपना संतुलन नहीं खोना है। याद रखें, वह व्यक्ति तो अपना काम कराकर चला जाएगा लेकिन यदि आप गरम दिमाग से दिन भर काम करेंगे, तो आपसे जरूर कोई-न-कोई गलती हो ही जाएगी! इसलिए लीडर के लिए हर हाल में शांत बने रहना जरूरी है। वैसे भी ग्राहक तो ग्राहक होता है और बैंक कर्मचारी के तौर पर आपका काम उसकी सेवा करना ही है।

लचीलापन

लीडर होने का यह मतलब नहीं कि आप अपनी मर्जी से लोगों को हांक लेंगे। यह संभव नहीं कि किसी के पास हर समस्या का समाधान हो। हो सकता है कि आपके पास किसी समस्या का समाधान न हो लेकिन किसी और के पास यह होगा। आपको उस शख्स की मदद लेनी होगी ताकि काम हो सके। एक सच्चा लीडर इतना लचीलापन हमेशा रखता है।

अच्छे संबंध रखें

बैंकिंग में यह बहुत जरूरी है क्योंकि बैंकिंग का व्यवसाय मूल रूप से विश्वास पर ही टिका होता है। आपको ब्रांच के हर कर्मचारी तथा ग्राहक के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखने होते हैं। इससे ब्रांच में माहौल सकारात्मक बना रहता है।

दूसरों का सहारा बनें

गलती हर किसी से होती है और बैंकिंग में होने वाली गलती पैसे से जुड़ी ही होगी। बैंकर के रूप में, आपको जरूरत के समय अपने साथियों का साथ देना चाहिए। इससे उनकी नजरों में आप सच्चे लीडर होंगे।

लगन व परिश्रम

लीडर होने का मतलब है दूसरों के लिए मिसाल पेश करना और लगनशील व परिश्रमी होने की मिसाल से बेहतर क्या हो सकता है? जब साथी आपको मेहनत कर परिणाम प्राप्त करते देखेंगे, तो वे भी ऐसा ही करने को प्रेरित होंगे।

औरों से दो कदम आगे रहें

बैंकिंग जैसे प्रतिस्पधी क्षेत्र में यह बहुत जरूरी है कि लीडर अपनी सोच और अपने व्यवहार में दूसरों से हमेशा दो कदम आगे रहे। तभी तो वह अपने संस्थान को आगे ले जा पाएगा।

वैश्विक करियर बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करता है विदेश में अध्ययन

आज दुनिया पहले से कहीं ज्यादा एक-दूसरे से जुड़ गई है और विदेश में पढ़ाई करना इसका सिर्फ एक पहलू है। विदेश में पढ़ाई करना किसी के भी जीवन की महत्वपूर्ण अवधि है। इसमें बहुत सारे जोखिम, समझ और व्यक्तिगत विकास शामिल हैं। यह छात्रों पर गहरा प्रभाव डालता है क्योंकि वे विभिन्न प्रकार की संस्कृतियों, विचारों के विभिन्न स्कूल, धर्मों और परंपराओं का अनुभव करते हैं जो जीवन के प्रति पूरी तरह से उदार रवैया रखते हैं। इसके अलावा, छात्रों के अध्ययन की देखरेख करता है और अध्ययन और अनुसंधान के नए तरीकों की खोज करता है जो उन्हें वैश्विक करियर बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करता है।

अग्रिम शैक्षणिक तैयारी

शैक्षणिक उपलब्धि भविष्य की उपलब्धियों के लिए महत्वपूर्ण कदम और रोजगार में प्रतिस्पर्धा पर बढ़त हासिल कर सकती है। आप अपने आप को आराम क्षेत्र से बाहर चुनौती देने के लिए विभिन्न शिक्षण शैली से सीख पाएंगे जो आपको अपरिचित वातावरण के अनुकूल होने के लिए तैयार करता है।

आजीवन अवसर

जैसा कि आप छात्रों को जीवनकाल में तेजी से बढ़ने और शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर मिलता है, इसलिए नई दुनिया और सीखने के अनुभव का पता लगाने और खोजने के लिए इस अवसर को अवश्य पकड़े।

लाइफटाइम कनेक्टिविटी

साथी छात्रों, शिक्षकों, पेशेवरों और परिवारों के लंबे समय तक चलने वाले संपर्कों के एक नेटवर्क पर टैप करें जो विदेशों में आपको प्रदान करता है, यह आपके जीवन को समृद्ध करता है, जो अक्सर महान अवसरों की ओर ले जाता है।

नई जानकारी

अपने विदेश प्रवास के दौरान, आप दुनिया के बारे में बहुत सी नई चीजें सीखेंगे जो आपके देश में रहने के दौरान संभव नहीं थी। एक नए वातावरण में रहने से आपके सोचने के तरीके को एक नया दृष्टिकोण मिलता है।

नई भाषा / संस्कृति

अलग-अलग देश में रहने से आपको एक अलग भाषा सीखने का मौका मिलता है। कई लोग नई भाषा और संस्कृति सीखने में रुचि रखते हैं, लेकिन जब आप देश में रहते हैं तो उनके सांस्कृतिक मूल्यों के साथ-साथ सीखना एक नया अनुभव होता है। सांस्कृतिक मतभेद भाषा, भोजन या आदतों के अंतर से अधिक हैं। बाजार में कई किताबें उपलब्ध हैं या कोई टीवी पर किसी देश और उसकी परंपरा के बारे में जानकारी देते हुए शो देख सकता है। लेकिन जब आप देश में रहते हैं और लोगों के साथ बातचीत करते हैं तो आप क्या सीखते हैं, तभी आप सही मायने में किसी अन्य संस्कृति को समझ सकते हैं।

आत्म ज्ञान

अपनी पढ़ाई पूरी करने और घर लौटने के बाद, आप अपने व्यक्तित्व में बदलाव देखेंगे और अपने और जीवन के प्रति पूरी तरह से अलग दृष्टिकोण रखेंगे।

अनुभव

जब आप बिल्कुल नए वातावरण में अध्ययन करते हैं, तो कभी-कभी आप ऐसी स्थितियों में हो सकते हैं जो बिल्कुल नए हैं और बहुत चुनौतीपूर्ण हैं। ऐसी स्थितियों को संभालने से आपको कुशलतापूर्वक सीखने, समायोजित करने और जवाब देने, अपनी ताकत और क्षमताओं को खोजने और शूटिंग कौशल को परेशान करने का एक शानदार अवसर मिलता है।

सीखने की शैली

हर देश में पढ़ाने का अपना तरीका होता है। विदेशों में अध्ययन करना आपके द्वारा उपयोग किए जाने वाले तरीकों से बहुत भिन्न होने की संभावना है। शिक्षण की एक अलग शैली के माध्यम से सीखना बहुत उपयोगी साबित हो सकता है क्योंकि इससे यह समझने में मदद मिलती है कि कुछ करने के कई तरीके हो सकते हैं।

पाठ्यक्रमों की विविधता

जो विकल्प आपको अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में मिलते हैं, वे आपको अपने देश में कभी नहीं मिलेंगे।

व्यवसाय

पढ़ाई पूरी करने के बाद जब आप नौकरी की तलाश कर रहे होंगे तो, आपको हमेशा उन छात्रों पर फायदा होगा जिन्होंने राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में अपनी शिक्षा पूरी की है। दुनिया भर की कंपनियां दूसरे देशों में निवेश करना जारी रखती हैं, ऐसे लोगों की जरूरत पैदा करती हैं जो विविध संस्कृतियों से निपटने में सक्षम हैं। नियोक्ता के अनुसार, एक व्यक्ति जिसने विदेश में अध्ययन किया है वह आत्मनिर्भर है, आत्म-प्रेरित है, चुनौतियों को उठाना पसंद करता है। विदेशों में रहने और अध्ययन करने का आपका अनुभव, एक नई भाषा और संस्कृति का ज्ञान आपको अपने सपनों की नौकरी प्राप्त करने में ऊपर सेट करता है।

ग्लोबल विचार

विदेशों में अध्ययन करने से देशों को आतंकवाद, ग्लोबल वार्मिंग और वैश्विक स्तर पर जनसंख्या वृद्धि जैसे मुद्दों से निपटने में भी मदद मिल सकती है। छात्र ऐसे मुद्दों पर बैठकर चर्चा कर सकते हैं और अन्य छात्रों को अपने देशवासियों के सामने आने वाली समस्या को समझने में मदद कर सकते हैं और खुद को अन्य देशों के लोगों द्वारा सामना की जा रही समस्या को भी समझ सकते हैं। विदेशों में अध्ययन करने से यह भी अधिक लाभ होता है कि यह साथी छात्रों के बीच सद्भाव और स्नेह बढ़ाता है और अपने देशवासियों के लिए भले ही उनकी जाति, रंग और पंथ के बावजूद ये चीजें एक वास्तविक समान वातावरण बनाती हैं जहां केवल मानवता किसी भी पूर्वाग्रह के साथ मायने रखती है।

इन टिप्स को अपनाकर बन सकते हैं एक अच्छा मैनेजर

किसी भी संस्थान में एक मैनेजर की अहम भूमिका होती है। अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ते हुए इस पद पर पहुंच गए हैं या पहुंचना चाहते हैं तो आपको अपने कार्यक्षेत्र के अलावा और भी चीजों पर ध्यान देना होगा। आपको अपनी सॉफ्ट स्किल्स की असली परीक्षा यही देनी होती है। एक लीडर के रूप में आप सभी सफल हो सकते हैं जब आपके कर्मचारी आपके साथ खुश, प्रेरित और उत्साहित महसूस करें।

कर्मचारियों को प्रेरित करना

अगर आप अपनी टीम का सम्मान करेंगे तो वे आपका सम्मान करेंगे। आपको उनकी हर छोटी-बड़ी चीजों का एप्रिशियेट करना होगा। उनसे अपने काम की ही फीडबैक न लेते रहें, बल्कि उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को शेयर करने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

फील गुड कराएं

कर्मचारियों से केवल काम लेना है, ऐसी सोच आपके अच्छे मैनेजर बनने का गुण नहीं है। एक सफल मैनेजर में अपने कर्मचारियों की अच्छी बातों और क्षमताओं को पहचाने की समझ होती है। उनका मनोबल बढ़ाने के साथ उन्हें ऐसा माहौल दें कि वे बेहिचक काम कर सकें।

पीठ पीछे भी प्रशंसा

आपको उनके काम, व्यवहार, उदारता की तारीफ उनके सामने तो करनी ही चाहिए। साथ ही आपको उनके पीठ पीछे भी तारीफ करना चाहिए। एक कर्मचारी जो जानता है कि उसकी कितनी प्रशंसा की जाती है तो वह ज्यादा मेहनत करेगा, अपने काम में ज्यादा आनंद लेगा और इस मानसिक खुशी को वह दूसरे कर्मचारियों के साथ बांटेगा।

जिम्मेदारी सौंपे

आप एक मैनेजर है क्योंकि आप अपने काम में एक्सपर्ट है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सारा काम खुद करना है। आपको यह समझ होनी चाहिए कि कौन सा काम,कौन सा कर्मचारी बखूबी पूरा कर सकता है। आपको अपने कर्मचारी को सीखने और नए अवसर देने की कोशिश करनी चाहिए। धीरे-धीरे जैसे आप उनकी सक्षमता और कमजोरियों को समझने लगें उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के काम सौपें।

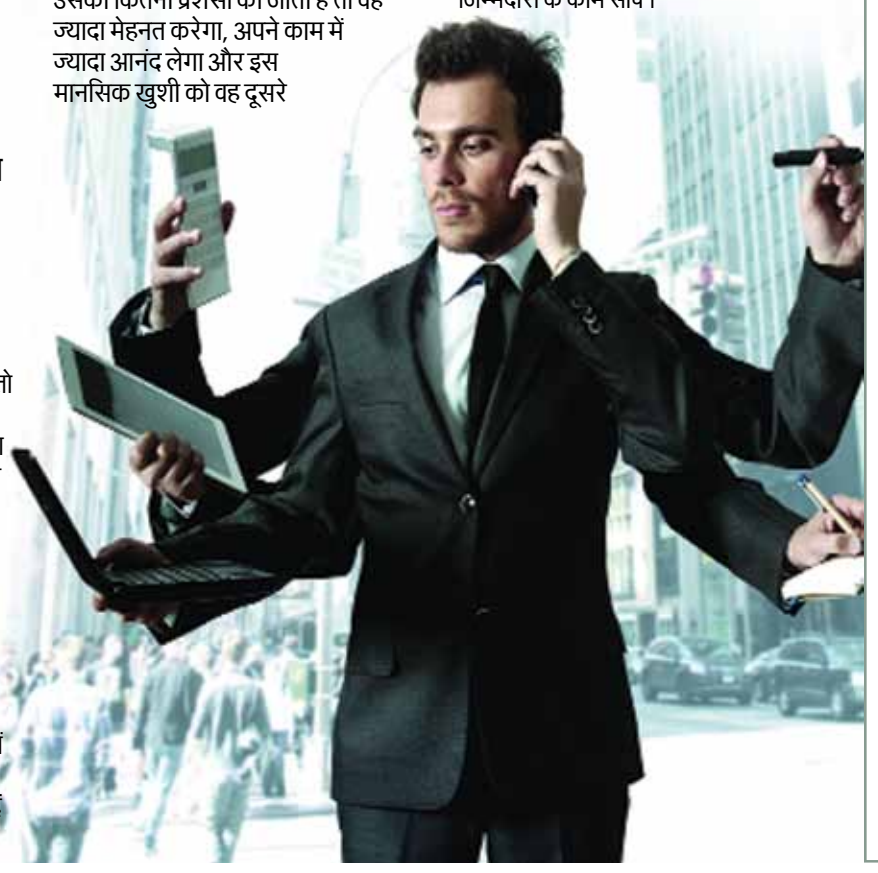

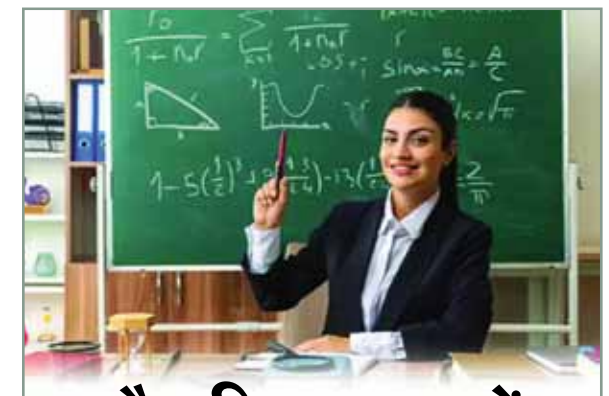

वैज्ञानिक अध्ययनों का अनिवार्य अंग है गणित

गणित मनुष्य के ज्ञान की एक अत्यधिक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई विषय शामिल हैं। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है और आज भी यहां गणित में विश्व स्तर के अनुसंधान करने वाले अनेक संस्थान हैं। गणनाओं में रुचि रखने वाले युवा बड़ी संख्या में गणित को करियर के रूप में चुनते हैं। गणित लगभग सभी वैज्ञानिक अध्ययनों का एक अनिवार्य अंग है। वैज्ञानिक गणित का उपयोग प्रयोगों की रूपरेखा बनाने, सूचना का विश्लेषण करने, गणित के सिद्धांतों द्वारा अपने निष्कर्ष उचित रूप में व्यक्त करने तथा इन निष्कर्षों के आधार पर सटीक भविष्यवाणी करने के लिए करते हैं। खगोल विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान जैसे विषय तो गणित पर ही निर्भर हैं। सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग आदि भी गणित की ही शाखाओं पर निर्भर होते हैं। गणित में विशेषज्ञतापूर्ण कोर्स चलाने वाले देश के अन्य प्रमुख संस्थान इस प्रकार है –

- औद्योगिक गणित में पाठ्यक्रम पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में उपलब्ध है।
- न्यूमेरिकल मैथमेटिक्स पाठ्यक्रम मदुरै कामराज विश्वविलय, मदुरै में उपलब्ध है।
- गणितीय अर्थशास्त्र में पाठ्यक्रम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में उपलब्ध है।
- इसके अलावा एमएससी व पीएचडी कोर्स के लिए देश के प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं –
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई। लिखित परीक्षा तथा उसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से इस संस्थान के पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), पुणे/ मोहाली/ कोलकाता/ तिरुवनंतपुरम/ भोपाल तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईएसईआर), भुवनेश्वर में भी गणित में एकीकृत एमएससी डिग्री कोर्स उपलब्ध है। आईआईएसईआर विद्यार्थियों को आईआईटी प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश देता है, जबकि एनआईएसईआर नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट (एनईएसटी) के माध्यम से प्रवेश देता है।
- हैदराबाद विश्वविलय द्वारा गणित में एकीकृत एमएससी पाठ्यक्रम चलाया जाता है। यह विश्वविद्यालय जून के आरंभ में आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देता है।

गणित तथा इससे जुड़े प्रमुख करियर इस प्रकार हैं

गणितज्ञ

गणितज्ञों को गणित का अध्ययन अथवा अनुसंधान करना होता है। वे गणित के अनसुलझे रहस्यों को उजागर करने का प्रयास करते हैं।

शिक्षण

गणित के शिक्षकों की मांग कल भी थी, आज भी है और भविष्य में भी रहेगी। गणित पूरी स्कूली शिक्षा में एक मुख्य विषय होता है। यदि आपमें संख्याओं के प्रति गहरा आकर्षण है और विद्यार्थियों को पढ़ाने में आपकी रुचि है, तो आप शिक्षण के क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले गणितज्ञों का अध्यापन तथा अनुसंधान में खास योगदान होता है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की न केवल भारत में बल्कि विश्व भर में धूम मची हुई है। वैश्विक आईटी इंडस्ट्री भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को रोजगार देने के लिए बाहें फैलाए खड़ी है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर सॉफ्टवेयर के प्रयोग तथा उनकी प्रणाली का सृजन, परीक्षण, विश्लेषण व मूल्यांकन करने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान और गणितीय विश्लेषण के सिद्धांतों को कार्यान्वित करते हैं।

बैंकिंग

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के चलते बैंक तेजी से अपनी शाखाएं बढ़ा रहे हैं, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के हजारों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। गणित में महारथ रखने वाले युवा बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट

उदारीकरण के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के तीव्र विकास के चलते अकाउंट्स तथा फाइनेंस के क्षेत्र में करियर ने खूब लोकप्रियता अर्जित की है। इस क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट का एक अत्यधिक प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। मैथ्स व कॉमर्स में रुचि रखने वाले युवा इस क्षेत्र में बढ़िया करियर बना सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट के लिए सॉफ्टवेयर, अनुसंधान, शिक्षा, सिक्यूरिटी, बैंकिंग, अर्थशास्त्र, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर विज्ञान, भौतिकी, तकनीकी शाखाओं आदि में रोजगार के ढेरों अवसर हैं। अधिकांश सिस्टम्स एनालिस्ट लागत-लाभ व निवेश पर मुनाफा का विश्लेषण तैयार करने के लिए विशिष्ट प्रकार की कम्प्यूटर प्रणालियों पर कार्य करते हैं और मैनेजरों को यह निर्णय लेने में सहायता करते हैं कि या प्रस्तावित टेक्नोलॉजी वित्तीय दृष्टि से कारगर होगी या नहीं।

वर्ल्ड चैंपियंस ऑफ लीजेंड्स में यूसुफ पठान और रायुडू ने दिखाया दम, जीती ट्राफी

इंडिया चैंपियंस टीम को रॉबिन उथप्पा और अंबाती ने दी थी अच्छी शुरुआत

नई दिल्ली। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स ट्रॉफी में इंडिया चैंपियंस टीम ने पाकिस्तान चैंपियस को हराकर ट्रॉफी जीत ली है। भारत ने पाकिस्तान की ओर से रखे गए 157 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.1 ओवर में पांच विकेट खोकर 159 रन बनाकर फाइनल अपने नाम कर लिया। इंडिया चैंपियंस की जीत में ओपनर अंबाती रायुडू और हाल में टीएमसी की ओर से सांसद बने यूसुफ पठान ने ताबड़तोड़ पारी खेलकर मैच में अहम भूमिका निभाई। फाइनल बर्मिंघम में खेला गया। इस लीग में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके खिलाड़ी खेल रहे थे।

इंडिया चैंपियंस टीम को रॉबिन उथप्पा और अंबाती रायुडू ने अच्छी शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 34 रन बनाए। उथप्पा ने दस रन बनाए। उथप्पा के आउट होने के बाद सुरेश रैना भी आउट हो गए। रैना 4 रन ही बना सके। रैना जब आउट हुए उस समय भारत का स्कोर 38 था। इसके बाद रायुडू को गुरकीरत सिंह का साथ मिला। दोनों ने स्कोर को 98 पर पहुंचाया। गुरकीरत 34 रन बनाकर आउट हुए। रायुडू ने 30 गेंदों पर पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से अद्धशतक लगाया। यूसुफ पठान 16 गेंदों पर 30 रन बनाकर आउट हुए वहीं कप्तान युवराज सिंह ने नाबाद 15 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से आमिर यमीन ने सबसे ज्यादा दो झटके।

इससे पहले यूनिस खान की कप्तानी वाली पाकिस्तान चैंपियंस ने 6 विकेट पर 156 रन बनाए। अनुभवी शोएब मलिक ने 36 गेंदों पर 41 रन बनाएं। वहीं ओपनर कामरान अकमल ने 24 रन का योगदान दिया। मकसूद 21 रन बनाकर आउट हुए तो मिस्बाह उल हक 18 रन बनाकर रिटायर्ड हुए। भारत की ओर से पेसर अनुरीत सिंह ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। विनय कुमार, पवन नेगी और इरफान पठान ने एक-एक विकेट चटकाया। इस टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, विंडीज और साउथ अफ्रीका की टीमों ने हिस्सा लिया था। रायुडू को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

जब दर्द से कराहने लगे मिस्बाह तो उथप्पा ने दिया सहारा, लोग कर रहे तारीफ

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान की टीमें जब मैदान पर आमने सामने होती हैं, तब क्रिकेट प्रेमियों का उत्साह चरम पर होता है। बर्मिंघम में खेले गए वर्ल्ड चैंपियंस ऑफ लीजेंड्स लीग फाइनल में भी कुछ उसी तरह का उत्साह देखने को मिला। दोनों टीमें हार मानने को तैयार नहीं थीं लेकिन जीत इंडिया चैंपियंस की हुई। मैच में एक समय ऐसा आया जब पाकिस्तानी बल्लेबाज तेज रन बनाने की कोशिश में घायल हो गया। मिस्बाह उल हक सिंगल लेने की कोशिश कर रहे थे तभी उनकी मसल खिंच गई। वह दर्द से कराहने लगा। ऐसे में भारतीय खिलाड़ी रॉबिन उथप्पा ने उनकी मदद की। उथप्पा का ये वीडियो वायरल हो गया।

पाकिस्तान चैंपियंस के कप्तान यूनिस खान ने फाइनल मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। पारी के 17वें ओवर में मिस्बाह उल हक तेज रन बनाने की कोशिश में उनकी जांघ में खिंचाव आ गया। वह दर्द से कराहने लगे और उन्हें मैदान छोड़कर जाना पड़ा। मिस्बाह को तड़पता देखकर रॉबिन उथप्पा उनके पास गए और मिस्बाह को खड़े होने में मदद की। उसके बाद वह मिस्बाह को अपने कंधे के सहारे कुछ दूर तक ले गए। उथप्पा के इस खेल भावना को देखकर लोग खूब तारीफ कर रहे हैं।

भारत ने फाइनल मैच पांच विकेट से जीतकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। पाकिस्तान के 157 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने पांच गेंद बाकी रहते 159 रन बनाकर मैच जीत लिया। इस लीग में रिटायर्ड क्रिकेटर्स खेल रहे थे जो इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं। भारतीय टीम में युवराज सिंह, इरफान पठान, उथप्पा, हरभजन सिंह जैसे खिलाड़ी मौजूद थे वहीं पाकिस्तान टीम में यूनिस खान, मिस्बाह, शोएब मलिक और शाहिद अफरीदी जैसे धुरंधर शामिल थे। लीग में छह टीमों ने शिरकत की लेकिन शारनदार खेल का मुजाहिरा करते हुए फाइनल में भारत-पाकिस्तान की टीमें पहुंची थी।

रिकी पोंटिंग ने दिल्ली कैपिटल्स छोड़ी, अब पंत को मिलेगा नया हेडकोच

अगले आईपीएल सत्र में गांगुली को मिल सकती है मुख्य कोच जिम्मेदारी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स छोड़ दी है। पोंटिंग पिछले साल साल से इस फ्रेंचाजी से बतौर हेड कोच जुड़े हुए थे। उनके रहते दिल्ली कैपिटल्स कभी आईपीएल चैंपियन नहीं बन पाई। पोंटिंग के कोच पद से हटने की जानकारी फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया पर दी।

पोंटिंग के जाने के बाद संभावना है कि दिल्ली कैपिटल्स के मौजूदा निदेशक सौरव गांगुली अगले आईपीएल सत्र में मुख्य कोच के रूप में टीम की कमान संभाल सकते हैं। गांगुली फिलहाल दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट डायरेक्टर हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने एक्स पर लिखा- जैसे-जैसे आप हमारे मुख्य कोच के रूप में आगे बढ़ें, हमें इसे शब्दों में कहना कठिन हो रहा था। आपने हमें देखभाल, प्रतिबद्धता, जज्बा और प्रयास के बारे में बताया। यह हमारे सात वर्षों के साथ-साथ काम करने का सार हैं। फ्रैंचाइजी ने पोंटिंग के साथ लंबे जुड़ाव को लेकर भावनात्मक पोस्ट किया लेकिन टीम प्रबंधन सात साल में कोई खिताब नहीं जीत पाने के कारण उनके काम से खुश नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया के दो बार विश्व कप विजेता बनाने वाले रिकी पोंटिंग 2019 में दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच बने थे। उनकी देखरेख में टीम 2021 में पहली बार फाइनल में पहुंचने में सफल रही लेकिन इसके बाद उसके प्रदर्शन गिरता गया। यह देखना होगा कि क्या दिल्ली कैपिटल्स एक नया मुख्य कोच नियुक्त करता है या टीम निदेशक सौरव गांगुली को मुख्य कोच के रूप में नियुक्त करते हैं। दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच प्रवीण आमरे का पद पर बने रहना तय है। इस मामले में आगे की रणनीति पर चर्चा के लिए दिल्ली के सह-मालिक जेएसडब्ल्यू और जीएमआर समूह की इस माह आखिरी में या अगले माह के शुरुआत में बैठक होने वाली है।

ऋषभ पंत की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2024 के पिछले सीजन में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। पोंटिंग के मार्गदर्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने 2019, 2020 और 2021 में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया जबकि इसके बाद टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच सकी। आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स छठे नंबर पर रही थी उसका प्रदर्शन लगातार गिरता रहा।

पूर्व क्रिकेटर अंशुमान गायकवाड़ की हालत देख कपिल देव हुए भावुक

बीसीसीआई और अन्य क्रिकेटर से लगाई मदद की गुहार

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और कोच अंशुमान गायकवाड़ को लेकर पूर्व क्रिकेटर और महान गेंदबाज कपिल देव परेशान हैं। उनकी परेशान का कारण अंशुमान गायकवाड़ की बीमारी है। अंशुमान ब्लड कैंसर से जझ रहे और चिकित्सा खर्चों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कपिल देव ने कहा कि जब हम यह जानने के लिए उनके पास पहुंचे कि गायकवाड़ के समकालीन उनकी मदद के लिए क्या कर रहे हैं तो यह देखकर बहुत दुख हुआ। कपिल ने कहा कि मैं दर्द में हूं क्योंकि मैं अंशुमान के साथ खेला हूं और उसे इस हालत में देखना मैं बर्दाश्त नहीं कर सकता। किसी को भी ऐसा नहीं करना चाहिए। मुझे पता है कि बोर्ड उसका ख्याल रखेगा।

कपिल देव, मोहिंदर अमरनाथ, सुनील गावस्कर, संदीप पाटिल, दिलीप वेंगसरकर, मदन लाल, रवि शास्त्री और कीर्ति आज़ाद गायकवाड़ को उनके कठिन समय में समर्थन देने के लिए सक्रिय रूप से दोस्तों और कॉरपोरेट्स से संपर्क कर रहे हैं। कपिल ने कहा कि हम किसी को मजबूर नहीं कर रहे हैं। औंशू के लिए कोई भी मदद आपके दिल से आनी चाहिए। कुछ तेज गेंदबाजों के सामने खड़े होने पर उसने अपने चेहरे और छाती पर वार झेले हैं। अब समय आ गया है कि हम उसके लिए खड़े हों। मुझे यकीन है कि हमारे क्रिकेट प्रशंसक उन्हें निराश नहीं करेंगे। हमें उनके ठीक होने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

कपिल ने सुझाव दिया कि दुर्भाग्य से, हमारे पास कोई प्रणाली नहीं है। हमारे समय में बोर्ड के पास पैसा नहीं था लेकिन आज स्थिति अलग है। बीसीसीआई को अतीत के वरिष्ठ खिलाड़ियों का ख्याल रखना चाहिए। एक ट्रस्ट का गठन करने पर कपिल देव ने उम्मीद की कि प्रशंसकों और पूर्व खिलाड़ियों को इसमें योगदान देना चाहिए। अगर कोई ट्रस्ट बनता है तो वे अपना पैसा वहां लगा सकते हैं, लेकिन हमारे पास कोई सिस्टम नहीं है। मुझे लगता है कि बीसीसीआई यह कर सकता है। वह पूर्व और वर्तमान खिलाड़ियों की देखभाल करते हैं। कपिल देव ने कहा कि अगर परिवार हमें अनुमति देता है तो हम अपनी पेंशन राशि दान करके योगदान देने के लिए तैयार हैं।

बोर्ड को पूर्व खिलाड़ियों के मेडिकल मामलों को देखने के लिए मशहूर क्रिकेटरों की तीन सदस्यीय समिति बनानी चाहिए और यह तय करना चाहिए कि कौन वित्तीय मदद का हकदार है। मेरी पीढ़ी और पिछली पीढ़ी के क्रिकेटरों ने क्रिकेट खेलकर पर्याप्त पैसा नहीं कमाया। उनमें से कई गरीबी में जीवन जिए और कई मर भी गए। चिकित्सा उपचार के लिए हमें उनकी मदद करनी चाहिए। अगर हम अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करेंगे तो कौन करेगा?

बता दें कि 71 वर्षीय गायकवाड़ ने 22 साल के करियर में 40 टेस्ट और 205 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। बाद में उन्होंने भारतीय टीम के कोच का पद संभाला। उनके शानदार प्रदर्शन 1998 में शारजाह और फ़िरोज़शाह कोटला में देखने को मिला। उनके कोच रहते अनिल कुंबले ने पाकिस्तान के खिलाफ एक पारी में सभी 10 विकेट लिए थे।

व्यापार

कंपनियों के नतीजे और वैश्विक रुख से तय होगी बाजार की चाल: विश्लेषक

जून के थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े से भी बाजार की धारणा पर असर पड़ेगा

नई दिल्ली। इस सप्ताह इन्फोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी कई बड़ी कंपनियों के नतीजों के अलावा वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों के वैश्विक रुख से शेयर बाजार की चाल तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि जून के थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े सोमवार को जारी किए जाएंगे। इन आंकड़ों से भी बाजार की धारणा पर असर पड़ेगा। मुहर्रम के अवसर पर बुधवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा कि सप्ताह के दौरान एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, बजाज ऑटो, बीपीसीएल, जेएसडब्ल्यू स्टील, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी बड़ी कंपनियां अपने जून तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी। इस सप्ताह सभी की निगाह कंपनियों के पहले तिमाही के नतीजों पर रहेगी। सप्ताह के दौरान इन्फोसिस और रिलायंस सहित कई कंपनियां अपने

नतीजे घोषित करेंगी। इसके अलावा बजट-पूर्व चर्चाओं से बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर चीन पर सभी का ध्यान रहेगा। चीन सप्ताह के दौरान अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) तथा औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों की घोषणा करेगा। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन के संबोधन, अमेरिका के खुदरा बिक्री के आंकड़े और जापान के वृहद आर्थिक आंकड़े बाजार को दिशा देंगे। इस बीच, आईटी सेवा कंपनी एचसीएल टेक का जून तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 20.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4,257 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी के तिमाही नतीजों की घोषणा शुक्रवार को हुई। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि सोमवार को बाजार भारत के मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देगा। इस सप्ताह जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, एचडीएफसी लाइफ, एशियन पेंट्स, एलटीआईमाइंडट्री, इन्फोसिस, विप्रो, जेएसडब्ल्यू स्टील, पेटीएम के तिमाही नतीजे आने हैं। साथ ही वैश्विक स्तर पर निवेशक चीन के जीडीपी आंकड़ों, अमेरिका के खुदरा बिक्री के आंकड़ों और यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के ब्याज दर पर निर्णय से दिशा लेंगे। उन्होंने कहा कि चालू तिमाही नतीजों के सत्र की वजह से सप्ताह के दौरान शेयर विशिष्ट गतिविधियां देखने को मिलेंगी। तिमाही नतीजों के सत्र की अच्छी शुरुआत की वजह से आईटी शेयर आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इस सप्ताह चीन के जीडीपी, यूरो क्षेत्र के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े, ईसीबी के नीतिगत निर्णय तथा अमेरिकी केंद्रीय बैंक के प्रमुख के संबोधन पर सभी की निगाह रहेगी।

भारत के नडेला ने माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ के रुप में 10 साल पूरे किए

नई दिल्ली। भारतवंशी सत्या नडेला ने साल 2024 की शुरुआत में दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ के रूप में 10 साल पूरे किए। नडेला ने फरवरी 2014 में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ का पद संभाला था। बताया जाता है कि पदभार संभालने के तुरंत बाद नडेला ने लगभग 40 साल पुरानी कंपनी में तेजी से बदलाव किया। नडेला ने क्लाउड कंप्यूटिंग और ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर पर फोकस किया। नडेला की अगुवाई में माइक्रोसॉफ्ट ने क्लाउड कंप्यूटिंग में अपनी बाजार हिस्सेदारी दोगुनी कर दी और अमेजन के बाद नंबर-2 के रूप में अपनी भूमिका मजबूत कर ली। एक अखबार की रिपोर्ट में सीईओ नडेला के तहत कंपनी द्वारा किए गए अलग-अलग डील्स के बारे में बात की गई है, जिसमें डेवलपर्स प्लेटफॉर्म गिटहब का 7.5 अरब डॉलर का

अधिग्रहण भी शामिल है। नडेला ने 20 मिनट में यह डील कर ली थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2018 में उन्हें दुनिया की मशहूर ओपन-सोर्स कंपनी गिटहब के अधिग्रहण को हरी झंडी देने के लिए केवल 20 मिनट का समय लगाया। अधिकारियों द्वारा गिटहब को खरीदने या न खरीदने पर सालों तक बहस करने के बाद नडेला के लिए 5 सालों तक काम करने वाले माइक्रोसॉफ्ट के पूर्व एग्जीक्यूटिव नैट फ्रीडमैन ने बताया कि उन्होंने कैस्केड माउंटेन के सनकाडिया रिजॉर्ट में एक एनुअल एग्जीक्यूटिव रिट्रीट में नडेला और अन्य वरिष्ठ नेताओं को यह विचार दिया था। फ्रीडमैन ने कहा कि कहा जाता है कि अधिकारियों ने इस सवाल पर 20 मिनट तक बहस की। तब नडेला ने मेज पर अपना हाथ मारा और कहा कि हमें यह करना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ ही हफ्तों में नडेला जून 2018 में गिटहब को 7.5 अरब डॉलर में खरीदने के लिए सहमत हो गए।

नई दिल्ली में 9 अगस्त को लांच होगी लेम्बोर्गिनी एसई

नई दिल्ली। लेम्बोर्गिनी यूआरयूएस एसई 9 अगस्त को नई दिल्ली में लांच की जाएगी। लेम्बोर्गिनी यूआरयूएस एसई में 4.0-लीटर, ट्विन-टर्बोचार्ज्ड वी8 इंजन दिया गया है, जिसे प्लग-इन हाइब्रिड सिस्टम के साथ जोड़ा गया है, जो 800एचपी अधिकतम पावर और 950एनएम मैक्स टॉर्क जेनरेट करता है। इसमें 25.9केडब्ल्यूएच लिथियम-आयन बैटरी पैक भी है। लेम्बोर्गिनी का कहना है कि इसे केवल इलेक्ट्रिक पावर का उपयोग करके 60 किमी तक चलाया जा सकता है। इसमें ऑल-व्हील-ड्राइव सिस्टम है। यह एसयूवी महज 3.4 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की स्पीड पकड़ लेती है। इसकी टॉप स्पीड 312 किमी प्रति घंटा है।

मुरादाबाद-देहरादून के बीच पहली फ्लाइट के लिए सोमवार से शुरू होगी टिकटों की बुकिंग

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद हवाई अड्डे से देहरादून तक 17 जुलाई को होने वाली पहली उड़ान के लिए सोमवार से टिकट बुकिंग शुरू होगी। 19 सीटर बी-1900डी विमान शाम 4 बजकर 20 मिनट पर मुरादाबाद से उड़ान भरेगा और 1 घंटा 10 मिनट का सफर तय कर शाम 5 बजकर 30 मिनट पर देहरादून पहुंचेगा। बुधवार को देहरादून के लिए हवाई यात्रा शुरू होने के बाद यह विमान देहरादून से प्रतिदिन दोपहर 2 बजकर 30 मिनट पर उड़ान भरेगा और दोपहर 3 बजकर 55 मिनट पर मुरादाबाद पहुंचेगा। डीजीसीए, एएआई और कंपनी की बैठक के बाद उड़ान का शेड्यूल जारी किया गया है।

एक दशक के लंबे इंतजार के बाद 17 जुलाई को मुरादाबाद से हवाई सेवा शुरू हो जाएगी। विगत 10 मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुरादाबाद हवाई अड्डे के साथ प्रदेश के पांच एयरपोर्ट का वर्चुअल

शुभारंभ किया था। इसमें मुरादाबाद के अलावा आजमगढ़, अलीगढ़, चित्रकूट और श्रावस्ती हवाई अड्डे थे। मुरादाबाद को छोड़कर अन्य जगहों से उड़ान शुरू हो चुकी है लेकिन मुरादाबाद में फ्यूल स्टेशन के कारण पेंच अटक गया था। बुधवार को मुरादाबाद एयरपोर्ट से पहली उड़ान देहरादून के लिए होगी। एचपीसीएल कंपनी को पेट्रोलियम एक्सप्लोसिव एंड सेफ्टी ऑर्गेनाइजेशन से अनुमति मिलने के बाद फ्यूल का टैंकर हवाई अड्डे पर खड़ा कर दिया गया है। देहरादून से विमान में फ्यूल भरकर भेजा जाएगा। जरूरत पड़ने पर यहां खड़े टैंकर से आपूर्ति की जाएगी। इस बीच फ्यूल स्टेशन का निर्माण भी चलता रहेगा।

फ्लाई बिग कंपनी ने अपनी वेबसाइट को अपडेट कर लिया है। सोमवार से टिकट की बुकिंग भी शुरू हो जाएगी। आनलाइन के अलावा यात्री हवाई अड्डे पर जाकर भी बुकिंग कर सकेंगे। सोमवार को किराया सूची भी जारी हो जाएगी। 17 जुलाई को हवाई अड्डे पर फ्लाइट के उद्घाटन के समय एक कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी है। इसके लिए सोमवार को एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) और जिला प्रशासन के बीच बैठक होगी। मुरादाबाद एयरपोर्ट के प्रबंथक श्याम सुंदर के मुताबिक 17 जुलाई को मुरादाबाद से देहरादून के लिए हवाई सेवा शुरू हो जाएगी। अगले महीने से लखनऊ की फ्लाइट भी चलने लगेगी। हमने व एयरलाइन कंपनी ने सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

मुरादाबाद एयरपोर्ट उद्घाटन के दौरान जानकारी दी गई थी कि मुरादाबाद से पहली उड़ान लखनऊ के लिए प्रारंभ होगी लेकिन फ्यूल स्टेशन का निर्माण न होने के कारण इसमें देरी हो रही है। ऐसे में डीजीसीए, एएआई, एयरलाइन कंपनी व जिला प्रशासन की सहमति से पहले देहरादून की फ्लाइट शुरू होने जा रही है। मुरादाबाद से लखनऊ तक का हवाई सफर करने के लिए अभी यात्रियों को एक माह का इंतजार करना पड़ेगा। माना जा रहा है कि लखनऊ के लिए मुरादाबाद से अगस्त के मध्य में विमान उड़ान भरेगा।

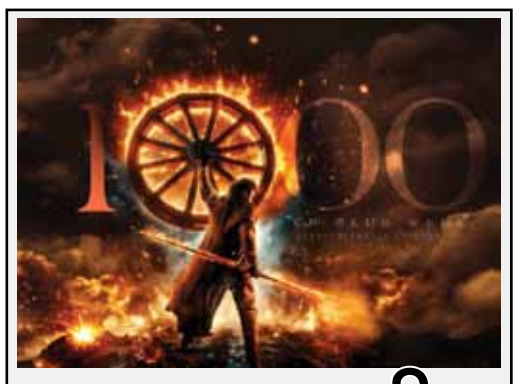

प्रभास स्टारर कल्कि 2898 एडी का रिकॉर्ड तोड़ा कलेक्शन

वर्ल्डवाइड 1000 करोड़ क्लब में ली एंट्री

कल्कि 2898 एडी का जलवा बॉक्स ऑफिस पर बरकरार है. फिल्म हर रोज ताबड़तोड़ कलेक्शन कर रही है. 27 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली प्रभास स्टारर इस साई-फाई एक्श फिल्म ने ना सिर्फ भारत में बल्कि दुनिया भर में जमकर कमाई की है. वहीं अब 15 दिनों में फिल्म ने वर्ल्डवाइड 1000 करोड़ क्लब में एंट्री ले ली है. ओटीटी स्ट्रीम अपडेट्स ने कल्कि 2898 एडी का एक पोस्टर शेयर किया है जिसमें प्रभास और फिल्म के 1000 करोड़ में एंट्री होने का पता चल रहा है. वर्ल्डवाइड 1000 करोड़ क्लब का हिस्सा बनने वाली कल्कि 2898 एडी 7वीं भारतीय फिल्म बन गई है. इससे पहले दंगल, बाहुबली 2, आरआरआर, केजीएफ चैप्टर 2, जवान और पठान इस लिस्ट में शामिल हैं. कल्कि 2898 एडी ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ क्लब में एंट्री लेकर दो ब्लॉकबस्टर फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. इस लिस्ट में रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल भी शामिल है. एक्शन-थ्रिलर फिल्म एनिमल पिछले साल रिलीज हुई थी जिसने वर्ल्डवाइड 915 करोड़ रुपए कमाए थे. वहीं प्रभास स्टारर ने सलमान खान की ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म बजरंगी भाईजान को भी पछाड़ दिया है. साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म ने दुनिया भर में 922.03 करोड़ रुपए कमाए थे.

मृणाल ठाकुर और वरुण धवन की नई कॉमेडी फिल्म का नाम है है जवानी तो इश्क होना है

रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

वरुण धवन ने बहुत कम समय में दर्शकों के बीच अपनी एक अलग जगह बनाई है। उनके अभिनय से लेकर कॉमेडी और डांस तक प्रशंसकों को खूब भाता है। कुछ तो उन्हें नई पीढ़ी का गोविंदा भी कहते हैं।बहरहाल, अब वरुण अपनी नई फिल्म को लेकर चर्चा में हैं, जिसे लेकर सुगबुगाहट तो पहले ही शुरू हो गई थी, लेकिन फिल्म का नाम सामने नहीं आया था।अब नाम के साथ-साथ इसकी रिलीज तारीख भी सामने आ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, वरुण जल्द ही अपने पिता डेविड धवन की पिता की फिल्म में नजर आएंगे, जिसका नाम है है जवानी तो इश्क होना है। यह फिल्म कॉमेडी से लबरेज होगी। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसका लुत्फ आप अपने परिवार के साथ बैठकर उठा पाएंगे। मृणाल ठाकुर और श्रीलीला फिल्म में वरुण 2 हीरोइनों के साथ इश्क फरमाते दिखेंगे।डेविड इसके जरिए एक बार फिर अपनी कहानी से दर्शकों को

लोटपोट करने की तैयारी में हैं। है जवानी तो इश्क होना है डेविड के निर्देशन में बनी 90 के दशक की हिट फिल्म बीवी नंबर 1 का लोकप्रिय गाना है, जो सलमान खान, करिश्मा कपूर और सुष्मिता सेन पर फिल्माया गया था। अब इसी नाम से डेविड फिल्म बना रहे हैं। सूत्र ने एंटरटेनमेंट पोर्टल को बताया कि फिल्म की शूटिंग के पहले शेड्यूल की शुरुआत आज यानी 10 जुलाई को मुंबई में शुरू हो गई है।वरुण अभिनेता मनीष पॉल और कुब्रा सैत के साथ फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। धीरे-धीरे फिल्म से जुड़े दूसरे कलाकार शूट शुरू करेंगे।फिल्म का संगीत भी शानदार होने वाला है। डेविड की इस फिल्म का निर्माण रमेश तौरानी कर रहे हैं। 2 अक्टूबर, 2025 में यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वरुण अपने पिता डेविड के साथ अब तक 3 फिल्मों में काम कर चुके हैं। सबसे पहले वह 2014 में इलियाना डिक्रूज और नरगिस फाखरी के साथ फिल्म मैं तेरा हीरो लेकर आए, जिसे दर्शकों से हरी झंडी मिली थी।इसके बाद 2017 में तापसी पन्नू और जैकलीन फर्नांडिस के साथ आई फिल्म जुड़वा 2 भी हिट हुई थी।हालांकि, सारा अली खान के साथ 2020 में आई उनकी फिल्म कुली नंबर 1 को दर्शकों ने साफ नकार दिया था। वरुण को जल्द ही कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी के साथ एटली और मुराद खेतानी निर्मित बेबी जॉन में देखा जाएगा। है जवानी तो इश्क होना है से पहले बेबी जॉन दर्शकों के बीच आएगी।जाह्नवी कपूर के साथ वरुण की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी भी आने वाली है, जिसके निर्माता करण जौहर हैं।उधर सामंथा रुथ प्रभु के साथ राज निदिमोरु और कृष्णा डीके की वेब सीरीज सिटाडेल में वरुण मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

बॉक्स ऑफिस पर कल्कि 2898 एडी की आंधी में भी किल की कमाई जारी

लक्ष्य लालवानी ने फिल्म किल से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में बतौर एक्टर डेब्यू किया है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से सराहना मिली है। 5 जुलाई को फिल्म किल रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों और समीक्षकों से सकरात्मक प्रतिक्रिया मिली। यही वजह है कि कल्कि की आंधी में भी यह सिनेमाघरों में डटी हुई है और टिकट खिड़की पर ठीक-ठाक कमाई कर रही है।1 करोड़ 25 लाख रुपये से इसने अपना खाता खोला था और रिलीज के 7वें दिन फिल्म ने 1 करोड़ 15 लाख रुपये की कमाई की। इसी के साथ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर यह 11 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है। जबकि वर्ल्डवाइड कमाई 20 करोड़ तक जा पहुंची है. हालांकि फिल्म का बजट 10 से 20 करोड़ के बीच बताया जा रहा है, जिसके चलते फिल्म ने केवल 7 दिनों में यह कमाई हासिल कर ली है. जबकि पहले वीकेंड कितना कमाती है इस पर लोगों का ध्यान जरुर जाने वाला है. किल के प्रदर्शन पर कल्कि 2898 एडी का असर देखने को मिल रहा है। कल्कि अब भी कहीं ना कहीं हिंदी दर्शकों के लिए पहली पसंद बनी हुई है। इसके चलते किल की कमाई प्रभावित हो रही है। धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी किल से लक्ष्य लालवानी ने बॉलीवुड में कदम रखा है, जबकि राघव जुयाल एबीसीडी जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बना चुके हैं। हालांकि इस फिल्म में वह विलेन के किरदार में ध्यान खींच रहे हैं।फिल्म में लक्ष्य से कहीं ज्यादा राघव की तारीफ हो रही है। उनकी खलनायकी पर्दे पर छा गई है।इस फिल्म का प्रीमियर पिछले साल टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था, जहां इसने खूब वाहवाही लूटी। किल के निर्माता करण जौहर हैं। उन्होंने गुनीत मोंगा के साथ मिलकर यह फिल्म बनाई है। इस फिल्म का प्रीमियर पिछले साल टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था, जहां इसने खूब वाहवाही लूटी। यही नहीं ब्लॉकबस्टर फिल्म सीरीज जॉन विक के निर्देशक ने किल की रिलीज से पहले ही इसके हॉलीवुड रीमेक का ऐलान कर दिया था। अब दो नई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर दस्तक दे दी हैं, जिसमें एक अक्षय कुमार की सरफीरा औऱ दूसरी कमल हासन की हिंदुस्तानी 2 है. अब देखना ये है कि इन फिल्मों से किल कितना प्रभावित होता है।

स्लाइस ऑफ लाइफ कॉमेडी सीरीज लाइफ हिल गई में नजर आएंगे कुशा कपिला और दिव्येंदु

प्रेम मिस्त्री द्वारा निर्देशित स्लाइस ऑफ लाइफ कॉमेडी सीरीज लाइफ हिल गई में कुशा कपिला और दिव्येंदु नजर आएंगे। अपकमिंग सीरीज में कुशा को कल्कि और दिव्येंदु को देव के किरदार में दिखाया गया है। उनके साथ इसमें विनय पाठक, मुक्ति मोहन और अन्य लोग भी शामिल हैं। दिव्येंदु ने कहा कि वह लाइफ हिल गई के साथ अपनी कॉमेडी से दर्शकों को एक और सरप्राइज देना चाहते थे। उन्होंने कहा, जब आप लाइफ हिल गई देखेंगे तो आपको अपने भाई-बहनों के साथ झगड़े, प्यार और नफरत का रिश्ता और भाई-बहनों के बीच होने वाली लड़ाई की याद आएगी। हमने इसकी शूटिंग का भरपूर आनंद लिया

और मुझे यकीन है कि स्क्रीन पर भी वैसा ही होगा और हम आप सभी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कुशा ने अपने किरदार कल्कि के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, मुझे लाइफ हिल गई की स्क्रिप्ट और कलाकारों ने बेहद प्रभावित किया। ऐसे कलाकारों के साथ काम करना जिन्हें बेहद प्यार किया जाता है एक सपने के सच होने जैसा है। साथ ही मुझे इसमें अपना किरदार कल्कि भी बेहद पसंद आया, जो बेहद ईमानदार और देखने लायक है। सीरीज का निर्माण हिमश्री फिल्म्स की आरुषि निशंक ने किया है, इसका निर्देशन प्रेम मिस्त्री ने किया है। जसमीत सिंह भाटिया ने इसे लिखा है। हिमश्री फिल्म्स की निर्माता आरुषि निशंक ने कहा, सीरीज लाइफ हिल गई एक कॉमेडी-ड्रामा है। हमारा उद्देश्य एक ऐसी दुनिया की रचना थी जो भरोसेमंद, हल्की-फुल्की हो। इसके साथ ही उत्तराखंड से होने के कारण मैं हमेशा इस राज्य की सुंदरता को दुनिया को दिखाना चाहता थी और यह शो उत्तराखंड के स्वर्ग की एक झलक मात्र है। सीरीज के बारे में निर्देशक प्रेम मिस्त्री ने कहा, शो लाइफ हिल गई एक हार्टलैंड ड्रामा है, लेकिन इसमें एक ट्विस्ट है। इसमें भाई-बहनों के बीच का भावनात्मक संबंध दिखाया गया है। लाइफ हिल गई डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

ब्लू नेट ड्रेस में कहर ढा रहीं अवनीत कौर, एक्ट्रेस की हॉटनेस ने फैंस को किया घायल

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस और सोशल मीडिया सेंसेशन अवनीत कौर इन दिनों ग्रीस में छुट्टियां मना रही हैं. वहां से वो लगातार अपनी हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें और वीडियो शेयर कर रही हैं, जो उनके फैंस को खूब पसंद आ रहे हैं. हाल ही में, अवनीत कौर ने अपनी इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वो ब्लू कलर की नेट ड्रेस पहने हुए हैं. खुले बाल, लाइट मेकअप और राउंड प्रिंटेड हैट के साथ उनका यह लुक बेहद स्टाइलिश और खूबसूरत लग रहा है. टीकू वेड्स शेरू से अपना फिल्मी सफर शुरू करने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर सोशल मीडिया पर खासी एक्टिव रहती हैं. जहां हर दिन एक्ट्रेस अपने फैंस के साथ अपनी सिजलिंग और किलर तस्वीरें शेयर करती रहती हैं. अवनीत कौर ने अपनी ये दिलकश तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं. जिसमें एक्ट्रेस समुद्र किनारे काफी बोल्ड एंड ब्यूटीफुल लुक में दिखी. इन तस्वीरों में अवनीत कौर ब्लू कलर की बिकिनी ड्रेस पहने सिजलिगं पोज दे रही हैं. तस्वीरें ने इंटरनेट पर आते ही बवाल मचा दिया हैं. इस ब्लू बिकिनी के साथ सिर पर बड़ी सी टोपी पहने हुए अवनीत काफी हसीन लग रही हैं. वहीं फैंस भी एक्ट्रेस के अदाओं के कायल हो गए हैं. अवनीत कौर ने अपना ये लुक लाइट मेकअप, गले में चेन और आंखों पर स्टाइलिश चश्मा लगाकर पूरा किया है. हर तस्वीर में अवनीत कौर की अलग अदा देखने को मिल रही है. फोटोज में अवनीत कौर कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती हुई दिखाई दीं. अवनीत कौर ने फोटोज को

शेयर करते हुए लिखा कि, 'इस बीच मायकोनोस में टैन के लिए तैयार हो रही हूं... वर्कफ्रंट की बात करें तो अवनीत कौर को आखिरी बार नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ फिल्म 'टीकू वेडस शेरू में देखा गया था. अवनीत कौर की इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कमेंट कर रहे हैं. कई लोगों ने उनके लुक की तारीफ की है और उन्हें हॉट और गॉर्जियस बताया है.

उड़ारियां में शादी के सीक्वेंस की शूटिंग थकान भरी, लेकिन मजेदार: अदिति भगत

टीवी के पॉपुलर शो उड़ारियां में शादी का सीक्वेंस चल रहा है। इसमें हानिया का किरदार निभा रही एक्ट्रेस अदिति भगत ने कहा कि शादी के सीक्वेंस की शूटिंग करना थकान भरा है, लेकिन बहुत मजेदार है। शादियां हमेशा मजेदार होती हैं और उड़ारियां में चल रहा शादी का सीक्वेंस भी इससे अलग नहीं है। अदिति ने कहा, असल जिंदगी में शादियां मजेदार होती हैं, लेकिन मुझे लगता है कि जब आप शूटिंग कर रहे होते हैं तो यह अलग होता है। यह थोड़ा थकान भरा हो जाता है। इसमें बहुत सारे ड्रामा होते हैं, बहुत सारे लोग होते हैं, सजावट होती है और बाकी सब कुछ.. जिससे आपको निपटना होता है। उन्होंने कहा, लेकिन यह फिर भी मजेदार है। इसमें डांस परफॉर्मेंस होती है, आपको ड्रेस अप करना होता है और ये सब चीजें होती हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि यह थकान भरा है, लेकिन मजेदार है। जब उनसे उनकी ड्रीम वेडिंग के बारे में पूछा गया, तो अदिति ने कहा, मैंने अभी तक इसके बारे में नहीं सोचा है, लेकिन मैं एक शो में 5 बार शादी कर चुकी हूं। मुझे लगता है कि मैं अभी जाकर कोर्ट मैरिज कर लूंगी। बस मजाक कर रही हूं। एक्ट्रेस ने कहा कि शादी के सीक्वेंस दर्शकों को बहुत पसंद आते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि लोग शादी के सीक्वेंस से बहुत अच्छी तरह जुड़ सकते हैं। मुझे पूरा यकीन है कि अपनी शादियों में या जिन शादियों में वे शामिल हुए हैं, उन्होंने कुछ देखा होगा, कुछ संबंधित मुद्दे और नाटक हो रहे होंगे। मुझे लगता है कि यह उन्हें एक्साइटेड करता है। उड़ारियां का निर्माण रवि दुबे और सरगुन मेहता ने अपने बैनर ड्रीमियाता एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के तहत किया है। शो में अविनेश रेखी और श्रेया जैन लीड रोल में हैं। इस शो में पहले प्रियंका चाहर चौधरी, ईशा मालवीय, अंकित गुप्ता, त्विंकल अरोड़ा, हितेश भारद्वाज, अनुराज चहल और अलीशा खान अहम भूमिका में थे।

प्राइम वीडियो पर सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो बना मिर्जापुर 3

मिर्जापुर सीजन 3 पांच जुलाई को अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हुई। वहीं, अली फजल और पंकज त्रिपाठी अभिनीत इस सीरीज ने इतिहास रच दिया है। यह अपने लॉन्च सप्ताहांत में स्ट्रीमिंग सेवा के लिए भारत में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो बन गया है। तीसरे सीजन में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्वेता त्रिपाठी शर्मा, रसिका दुगल, विजय वर्मा, ईशा तलवार, अंजुम शर्मा, प्रियांशु पेनयुली, हर्षिता शेखर गौड़, राजेश तैलंग, शीबा चड्ढा, मेघना मलिक और मनु जैसे कई कलाकार अपनी भूमिकाओं को दोहरा रहे हैं। सीरीज की लोकप्रियता से साबित होता है कि यह दर्शकों को कितनी पसंद आ रही है। इतना ही नहीं इसके चौथे भाग पर भी मुहर लग गया है। मिर्जापुर सीजन 3 अमेजन प्राइम वीडियो का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो बन गया है। इंस्टाग्राम पर, स्ट्रीमर के आधिकारिक अकाउंट ने घोषणा की, रिकॉर्ड तोड़ना तो अपना यूएसपी है। मिर्जापुर

सीजन 3 आधिकारिक तौर पर लॉन्च सप्ताहांत पर भारत में प्राइम वीडियो पर अब तक का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो है। प्राइम पर इसे अभी देखें। मिर्जापुर के तीसरे सीजन को लॉन्च सप्ताहांत में 180 से अधिक देशों और भारत के 98 प्रतिशत पिन कोड पर दर्शकों ने देखा। क्राइम ड्रामा ने लॉन्च सप्ताहांत में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया सहित दुनिया भर के 85 से अधिक देशों में शीर्ष 10 ट्रेंडिंग सूची में जगह बनाई। मिर्जापुर सीजन 3 का निर्देशन गुरमीत सिंह और आनंद अय्यर ने किया है। इसी बीच मिर्जापुर फ्रेंचाइजी के प्रशंसकों को निर्माताओं ने एक और बड़ा तोहफा दिया है। सीजन 3 की सफलता के बाद अमेजन प्राइम वीडियो ने कहा कि शो का सीजन 4 आधिकारिक तौर पर विकास में है। एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के निर्माता रितेश सिधवानी ने एक बयान में कहा, मैं दर्शकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया से रोमांचित हूं, जिन्होंने हमें हर सीजन के साथ ताकत बढ़ाने में मदद की है। रितेश सिधवानी ने आगे कहा, यह पहले सीजन से ही उनका निरंतर प्यार और समर्थन है, जिसने हमारे शो को वैश्विक सनसनी बना दिया है। यह ऐतिहासिक सफलता हमारी पूरी टीम की कड़ी मेहनत, समर्पण और प्रतिबद्धता का परिणाम है, जिन्होंने इस सीजन को पर्दे पर जीवंत करने के लिए काफी मेहनत की। जैसे ही हम एक और रोमांचक सीजन की शुरुआत कर रहे हैं, हम अपने वफादार दर्शकों के लिए और भी अधिक रोमांचक और आकर्षक कंटेंट लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।